मोह में फंसकर पार्टी को.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संजय लीला भंसाली की अगली... 11

वर्ष - 02, अंक - 162 | गाजियाबाद / सोमवार 14 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अब उत्तराखंड में पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन

● 11 किलोमीटर लंबी सुरंग हो गई आर-पार ● टी-49 के बाद मिली दूसरी बड़ी कामयाबी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है। यहां रेल लाइन बिछाने से ज्यादा चुनौती सुरंगों का निर्माण है। ऊंचे पहाड़, कठिन भूगर्भीय परिस्थितियां और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण का काम लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

125 किलोमीटर की रेल लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। यानी परियोजना की कुल 28 सुरंगों में से करीब 78 फीसदी सुरंगें पूरी हो चुकी हैं। ढालवाला की एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू इसी सिलसिले में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेल विकास निगम लिमिटेड इस परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परियोजना का उद्देश्य केवल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी देना नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरंग के रास्ते में बेहद कमजोर चट्टानी क्षेत्र और मायलोनाइट जोन भी मिले। इसकी एक बड़ी वजह सुरंग का मेन बाउंड्री थ्रस्ट के करीब होना है।

पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सिर्फ एक नया परिवहन साधन नहीं होगी। इससे सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने, यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने और पर्वतीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने में मदद मिल सकती है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने का असर स्थानीय लोगों के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों पर भी पड़ने की उम्मीद है। उत्तराखंड के चारधाम और अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंच के लिहाज से भी इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के कटरा-बनिहाल रेलखंड में सुरंग-49 खारी और बनिहाल स्टेशनों के बीच बनी है। इसकी लंबाई 12.895 किलोमीटर है और यह भारतीय रेलवे की सबसे लंबी सुरंग है। बनिहाल से खारी और संगलदान के बीच का पूरा रेलखंड आधुनिक इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है। इस इलाके में रेल लाइन का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा सुरंगों के अंदर से गुजरता है। इस खंड में कई महत्वपूर्ण सुरंगें बनाई गई हैं, जो पहाड़ी क्षेत्र में रेलवे कनेक्टिविटी को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमान्य मदरसों के खिलाफ बंगाल सरकार का ऐक्शन

● वेस्ट बंगाल में बंद होंगे बिना मान्यता वाले 252 मदरसे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ शभेंदु सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। इसके तहत राज्य में किए गए सर्वे के बाद सरकार ने पहले चरण में 252 अमान्य (खारिजी) मदरसों को बंद करने का नोटिस जारी किया है, जबकि 100 अन्य मदरसों से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मदरसों की जांच-पड़ताल का एक बड़ा अभियान शुरू किया था।

गोवा में आप ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

● अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के मतदाता कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस को सत्ता में चुनते रहे हैं, लेकिन अब उनके सामने एक नया विकल्प होगा।

टेक्नोलॉजी-मिनरल्स को हथियार बनाना है गलत

● पीएम मोदी बोले-इससे दुनिया की तरक्की पर असर पड़ेगा ● कहा-'ब्रिक्स' की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है

नई दिल्ली (एजेंसी)। विविधता और सहयोग को सेलीब्रेट करते हुए ब्रिक्स समिट पूरी हुई। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत ने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि ब्रिक्स में उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभव का सम्मान होता है और समाधान उनके लिए नहीं, उनके साथ मिलकर बनाए जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है। ब्रिक्स के पार्टनर देश और आउटरीच के लिए आमंत्रित विशेष प्रतिनिधियों के साथ एक सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक असर प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है।

देश भर में आज से मचेगी गणेशोत्सव की धूम

घर-घर विराजेंगे विघ्नहर्ता, स्वागत को आतुर हैं भक्त

अबकी हरतालिका तीज का भी साथ में बन रहा संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इसी दिन हरतालिका तीज का व्रत भी है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी का संयोग बन रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से विशेष माना गया है। हरतालिका तीज पर पूजन-व्रत से सुख-सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना की जाती है। कल चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान उज्जैन के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना चलेगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे।

तृतीया-चतुर्थी का संयोग विशेष फलदायी

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला ने बताया कि शास्त्रीय मत में यदि हरतालिका तीज, चतुर्थी के साथ आती है तो इसे सामान्य से अधिक फलदायी माना जाता है। तृतीया युक्त चतुर्थी को सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और पति की दीर्घायु के लिए विशेष माना गया है। इस बार गणेश चतुर्थी सोमवार को पड़ रही है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव माने गए हैं और चतुर्थी तिथि के स्वामी भगवान गणेश हैं। ऐसे में गणेश जी के साथ शिव जी के भक्तों के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि गणेश पूजा से बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

बीमार होने की अफवाहों को मायावती ने किया खारिज

कहा-बिल्कुल ठीक हूं,आकाश ससुर के दिमाग से चल रहे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं- पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे एक्स पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10.04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया। पूछा- बहनजी बीमार हैं क्या, उनका स्वास्थ्य कैसा है।

मायावती ने भतीजी को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया।

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम,साथ में किया नाश्ता

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

डिनर में पीएम इब्राहिम ने किशोर कुमार का गाना गाया

अनवर इब्राहिम ब्रिक्स समिट में शामिल होने भारत आए हैं। शनिवार को उन्होंने 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर आयोजित सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने किशोर दा का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया।

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे पार्टी के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे। 21 अगस्त 2024 को पीएम बनने के बाद अनवर इब्राहिम भारत आए थे। इस दौरान भी उन्होंने राहुल से मुलाकात की थी। उस समय राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता थे। मुलाकात के बाद अनवर इब्राहिम ने गांधी परिवार को अपना 'फैमिली फ्रेंड' बताया था।

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

● हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर स्वागत किया ,जाने का विरोध किया था

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था। कोल्हापुर के नांदणी में माधुरी को 1992 में लाया गया था। तब वह सिर्फ 4 साल की थी। मठ में करीब 700 साल से हाथी पालने की परंपरा रही है और माधुरी 32 साल तक यहीं रही।

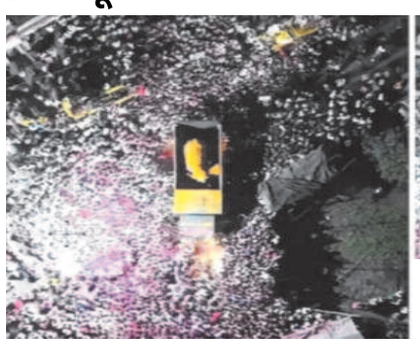

रात करीब 2 बजे मठ पहुंची महादेवी

महादेवी को वनतारा से गुरुवार शाम करीब 5 बजे रवाना किया गया था। करीब 1,160 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के बाद वह शनिवार रात करीब 2 बजे नांदणी जैन मठ पहुंची।

वापसी के बाद भी वनतारा करेगा निगरानी, हाई कमेटी ने रखीं शर्तें

वनतारा के मुताबिक, उसका इलाज जारी रहने के कारण स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर हुई है, लेकिन उसकी पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। इसलिए कोर्ट ने माधुरी की वापसी को कुछ सख्त शर्तों के साथ मंजूरी दी है।

महादेवी के लिए मठ में है खास इंतजाम

नांदणी मठ में महादेवी के लिए विशेष शेल्टर तैयार किया गया है। इसमें पर्याप्त ऊंचाई और हवा की व्यवस्था है। पैरों को आराम देने के लिए रबर मैट लगाए गए हैं। गर्मी और मक्खियों से बचाने के लिए बड़े पंखे, फॉगिंग सिस्टम और पानी के फव्वारे लगाए गए हैं। शेल्टर के पास पानी का तालाब बनाया गया है। हाइड्रोथेरेपी का स्विमिंग टैंक भी बनाया गया है। उसकी डाइट के मुताबिक खाना तैयार करने के लिए अलग किचन है, जहां पका हुआ अनाज, दाल, फल और दूसरी चीजें रखी जाएंगी। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए अलग सुविधा बनाई गई है और महावत के स्थायी रूप से रहने की व्यवस्था की गई है।

102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत,140 की तलाश जारी

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलीकॉप्टर भेजा है। बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है। इंडोनेशिया में जहाज डूबने के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। 1981 में तंपोमास-2 नाम का यात्री जहाज जावा सागर में डूब गया था।

नवजात को निजी अस्पताल ने बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (एजेंसी)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए रेफर की गई एक नवजात बच्ची को एंबुलेंस चालक ने धोखे से फातिमा बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। स्वजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने पहले 96 हजार रुपये वसूले और फिर बच्ची को बंधक बनाकर डिस्चार्ज के लिए 90 हजार रुपये और मांगे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त 30 हजार रुपये लेकर बच्ची को छोड़ा गया। कुशीनगर के कसया स्थित वरदान अस्पताल में 29 अगस्त को जन्मी इस बच्ची को सांस लेने में दिक्कत थी। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 5 सितंबर को उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। बच्ची के बाबा अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि इसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक ने उन्हें गुमराह किया और बेहतर इलाज का झांसा देकर शाहपुर के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया। स्वजनों के मुताबिक, 5 सितंबर से बच्ची का उपचार इसी अस्पताल में चल रहा था। इस दौरान इलाज और दवा के नाम पर उनसे 96 हजार रुपये जमा करा लिए गए। जब उन्होंने बच्ची को डिस्चार्ज कर बीआरडी ले जाने का अनुरोध किया, तो अस्पताल प्रबंधन ने 90 हजार रुपये और जमा करने को कहा। रकम न देने पर बच्ची को बंधक बनाए रखा गया। परेशान स्वजनों ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शाहपुर थाने में दोनों पक्षों को बुलाया गया। शाहपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि समझाने-बुझाने के बाद 30 हजार रुपये और लेकर नवजात को डिस्चार्ज कराया गया। हालांकि, अस्पताल संचालक मैनुद्दीन ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि केवल उपचार में लगे खर्च की ही धनराशि ली गई है।

निखिल कोचिंग संचालक ने मांगी सुरक्षा, कहा- खान सर से खतरा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर उर्फ फैजल खान एक बार फिर गंभीर विवादों में घिरे नजर आ रहे हैं। पहले रोशन आनंद के साथ उनके विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं, और अब करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर एक आवेदन दिया था, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में निखिल कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर निखिल कुमार ने उस लड़की का खुलकर समर्थन किया है, जिसके बाद उन्होंने खान सर के कथित गुर्गों द्वारा धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।निखिल कुमार ने इस संबंध में पटना सिटी एसडीपीओ और पटना एसएसपी को एक लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि उनके गुर्गों द्वारा उनकी रेकी (जासूसी) की जा रही है और उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

पश्चिम बंगाल में बिना पंजीयन कर चल रहे 252 मदरसों को बंद करने का नोटिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना पंजीकरण या मान्यता के संचालित हो रहे मदरसों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के 22 जिलों और कोलकाता में कराए गए सर्वेक्षण में 2396 मदरसे ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास सरकारी पंजीकरण या किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड की मंजूरी नहीं है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की ओर से कराए गए इस सर्वेक्षण के आधार पर पहले चरण में 252 मदरसों को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक सर्वेक्षण में कुल 2,132 मदरसे ऐसे पाए गए जो जरुरी पंजीकरण या मान्यता के साथ संचालित हो रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन की रिपोर्ट में 2,396 संस्थानों के पास जरूरी पंजीकरण या सरकारी बोर्ड से संबद्धता नहीं होने की जानकारी सामने आई है। सत्यापन के बाद मदरसा शिक्षा निदेशालय ने 252 संस्थानों को संचालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। इन नोटिस की प्रतियां संबंधित जिलाधिकारियों को भी भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को यह तय करने के लिए कहा गया है कि संबंधित संस्थानों का संचालन बंद हो। इसके अलावा 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यदि वे अपनी वैधता साबित करने में विफल रहते हैं तो कानून के तहत उनके खिलाफ भी बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।

सागर शराब कांड में 2 की और मौत, मृतक संख्या 36 हुई

सागर (एजेंसी)। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांड में उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं, अस्पतालों में भर्ती अन्य प्रभावित लोगों के उपचार पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना ने अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

आतंकवाद से लेकर वैश्विक सुधार तक ब्रिक्स देशों का साझा रुख

ब्रिक्स घोषणापत्र में भारत की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
यहां आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, जिसने आतंकवाद, वैश्विक शासन सुधार और मध्य-पूर्व संकट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों का साझा रुख प्रस्तुत किया। इस घोषणापत्र को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर तब जब विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर साझा सहमति बनाना कठिन माना जा रहा था।घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई, जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। ब्रिक्स ने देश-समर्थित सीमा पार आतंकवाद, इसकी फंडिंग और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। चीन और रूस जैसे देशों की मौजूदगी में किसी विशिष्ट आतंकी घटना का नाम शामिल करना और सीमा पार आतंकवाद पर सीधा रुख अपनाना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करता है।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की मांग को दोहराते हुए ब्रिक्स देशों ने इसे अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधि और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। चीन और रूस ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका और आकांक्षाओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। चीन का पहले यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करना और अब इस पर सहमति जताना, भारत की दीर्घकालिक कोशिशों को रणनीतिक बल प्रदान करता है। गाजा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घोषणापत्र में बिना बाधा मानवीय सहायता पहुंचाने और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ, व्यापार बाधाओं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों का विरोध किया गया। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म जैसे ग्रीन-टैक्स उपायों को संरक्षणवाद करार दिया गया। इसके अतिरिक्त, ब्रिक्स ने विश्व व्यापार संगठन में तत्काल सुधार और उसके ठप पड़े विवाद निपटान तंत्र की बहाली की मांग की, जो नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सदस्य देशों ने आपस में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने और भुगतान प्रणालियों के बीच इंटर-कनेक्शन विकसित करने पर सहमति जताई, जिससे अमेरिकी डॉलर पर वैश्विक निर्भरता कम होगी। भारत के गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी आईएफएससी में ब्रिक्स रिस्क लैब स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर भारत की पहल एआई इंपैक्ट समिट की सराहना की गई, जो भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थिति में रखता है। घोषणापत्र में शांतिपूर्ण परमाणु ठिकानों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया गया।

बिहार में बाढ़ का खतरा बरकरार, पुनपुन में वृद्धि चिंताजनक

-कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर, पटना में कुछ घाटों पर जलस्तर घटा

पटना(एजेंसी)। बिहार में शनिवार शाम को गंगा, कोसी और अन्य नदियों का जलस्तर विभिन्न स्थानों पर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, हालांकि अधिकांश जगहों पर यह या तो स्थिर है या उसमें गिरावट दर्ज की जा रही है। चिंता की बात यह है कि पुनपुन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। जल संसाधन विभाग के बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायता केंद्र, पटना द्वारा 12 सितंबर रात 9 बजे तक जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। गंगा नदी बक्सर में चेतावनी स्तर से 0.43 मीटर ऊपर 59.75 मीटर पर स्थिर बह रही है। पटना जिले के दीघाघाट में जलस्तर खतरे के निशान से 0.44 मीटर ऊपर 50.89 मीटर पर स्थिर रहा, जबकि गांधीघाट में यह 1.13 मीटर ऊपर 49.73 मीटर पर घटने का रुख दिखा रहा है। बांकाघाट में भी गंगा खतरे के निशान से 0.69 मीटर ऊपर स्थिर बनी हुई है। पंडारक और हाथीदह में गंगा क्रमशः चेतावनी और खतरे के निशान से ऊपर स्थिर है, हाथीदह में यह 1.18 मीटर ऊपर दर्ज की गई। आगे बढ़ते हुए, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर और अजगैनाबाद में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर रहने के बावजूद उसमें गिरावट दर्ज की गई है। सुल्तानगंज में यह 1.83 मीटर और अजगैनाबाद में 1.20 मीटर ऊपर है। वहीं, कहलगांव और साहेबगंज में नदी अभी भी खतरे के निशान से काफी ऊपर (क्रमशः 1.60 मीटर और 1.43 मीटर) स्थिर है। इन सबके बीच, पुनपुन नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि ने स्थानीय प्रशासन और निवासियों की चिंता बढ़ा दी है, जिस पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ब्रिक्स में विशेषज्ञों ने कहा- भारत बना वैश्विक डिजिटल और एआई का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने भारत की डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत तेजी से एक वैश्विक एआई केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसके चलते ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी साझेदारी, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने भारत के विशिष्ट डिजिटल भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, को भी विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर मिस्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का एक साझा मंच बताया। उन्होंने भारत और मिस्र के बीच एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने का मजबूत आधार तैयार हो सकता है। गमाल ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दौर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा। उन्होंने सरकारों और उद्योगों को इस बदलती तकनीक को समझकर इसका जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की सलाह दी, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाई जा सके और समाज को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने ब्रिक्स सदस्य देशों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता से सीखने और नवाचार को गति देने के लिए प्रोत्साहित किया।

सवालों पर बोले दीपके- मुझे सीएम समझ रहे हैं तो इस्तीफा दे देता हूं

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

बालाघाट, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के बालाघाट पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके को शनिवार को एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। आदिवासी इलाके में संक्रामक बीमारियों से बच्चों की मौतों के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे दीपके की कार को कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने घेर लिया और उनसे तीखे सवाल किए, जिसके बाद दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि आप मुझे मुख्यमंत्री समझ रहे हैं तो मैं इस्तीफा दिए देता हूं। वायरल हुए एक वीडियो में, एक महिला इन्फ्लुएंसर खुद को बताते हुए दीपके से पूछती सुनाई दे रही है कि क्या वह लाशों पर राजनीति करने आए हैं और इतनी देर से क्षेत्र का दौरा क्यों कर रहे हैं। वीडियो में दीपके यह कहते सुने गए कि क्षेत्र का दौरा करने में हुई देरी के लिए वह माफी मांगते हैं। महिला को यह कहते भी सुना गया, यहां अच्छी सड़क बनी है, दिखाई नहीं दे रही क्या? इस बहस के बाद अभिजीत दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि वह मध्य प्रदेश के राजभवन जाकर राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा दे देंगे। उनकी पार्टी, सीजेपी ने भी इसी तर्ज पर तंज कसते हुए कहा कि अभिजीत दीपके को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंसर्स ऐसे प्रश्न कर रहे थे जैसे सूबे के मुख्यमंत्री से बात कर रहे हों।
दीपके बालाघाट में उन आदिवासी परिवारों से मिलने पहुंचे थे, जिन्होंने अपने बच्चे खो दिए थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बताए जा रहे मौतों के आंकड़े वास्तविकता के मुकाबले बहुत कम हैं। दीपके ने दावा किया कि आदिवासियों के सड़क पर उतरने के बाद कम से कम 86 बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, और अगर बच्चों को समय पर इलाज मिल जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। स्थानीय पत्रकारों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि दूरदराज के गांव में बाहर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का समूह मौजूद था। उन्होंने आशंका जताई कि दीपके के दौरे में बाधा डालने के लिए इन लोगों को किसी के कहने पर वहां भेजा गया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

मोह में फंसकर पार्टी को नुकसान नहीं होने दूंगी: मायावती

-छोटे भतीजे ईशान से भी छीनी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी।
बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर निकालने के बाद अब अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद से भी पार्टी की जिम्मेदारी छीन ली है। ईशान को मायावती ने मात्र छह दिन पहले ही पार्टी का मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर नियुक्त किया था। शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में मायावती ने यह भी प्रतिज्ञा ली कि वह भविष्य में अपने भाई आनंद कुमार के किसी भी बेटे को पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं देंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह मोह (लगाव) में पड़कर पार्टी का किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होने देंगी।
मायावती ने 3 सितंबर को अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर के पद से हटाया था, जिसके बाद 7 सितंबर को छोटे भतीजे ईशान आनंद को मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर बनाया था। हालांकि, यह जिम्मेदारी भी उनसे अब ले ली गई है। मायावती ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि बसपा के मिशन की सफलता में किसी का भी रोड़ा बनना उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र चिंता अपने बहुजन समाज परिवार के हित, कल्याण और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की है। उन्होंने पार्टी संस्थापक कांशीराम की विचारधारा का अनुसरण करते हुए बताया कि उन्होंने अपने किसी भी सगे भाई-बहन और उनके परिवार के युवा सदस्यों, तथा नजदीकी रिश्तेदारों को पार्टी के कार्यों तक सीमित रखकर उन्हें सांसद, विधायक, मंत्री पद और अन्य किसी भी राजनीतिक लाभ के पदों से हमेशा दूर रखा है। बसपा सुप्रीमो ने अपनी अविवाहित स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें मजबूरी में अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखने की आवश्यकता पड़ी। वह उनकी देखभाल करने के साथ-साथ उनकी निगरानी में पार्टी की जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। लेकिन, मायावती ने स्पष्ट किया कि इसका लाभ अब उनके परिवार के लोग उठाएं, यह पार्टी और मूवमेंट के हित में सही नहीं होगा। उन्होंने अपनी अंतिम फैसला और प्रतिज्ञा बताते हुए कहा कि आनंद कुमार के किसी भी बेटे को बसपा में छोटे-बड़े पद पर रहकर राजनीति करने का मौका नहीं दिया जाएगा। यह निर्णय आकाश आनंद को पार्टी से हटाने के बाद आया है, जिसके लिए मायावती ने पहले उन्हें एक अल्टीमेटम दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा था कि आकाश को तभी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जब उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास ले लें। इस अल्टीमेटम के बाद गुरुवार सुबह आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने अपने एक्स अकाउंट पर राजनीतिक और सामाजिक जीवन से संन्यास की घोषणा कर दी थी, साथ ही पार्टी के प्रति अपने समर्पण का पक्ष भी रखा था। हालांकि, इसके तुरंत बाद ही मायावती ने भी तगड़ा पलटवार किया और एक्स अकाउंट पर आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किए जाने की घोषणा कर दी।

ब्रिक्स समिट के बीच राहुल गांधी की मलेशियाई पीएम इब्राहिम से मुलाकात

-प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद, दोनों नेताओं ने ब्रेकफास्ट पर की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो' सेरी अनवर बिन इब्राहिम ने मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रिक्स सम्मेलन से इतर हुई और उन्होंने साथ में नाश्ता किया। कांग्रेस पार्टी ने इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के बीच हुई इस मुलाकात को भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते संबंधों के बीच अहम माना जा रहा है। हालांकि, बैठक में किन विशेष मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इससे एक दिन पहले मलेशियाई प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी द्विपक्षीय मुलाकात की थी। ब्रिक्स से इतर हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद कहा था कि भारत और मलेशिया के संबंध अब सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा की आवाजाही जैसे नए और महत्वाकांक्षी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग, द्विपक्षीय निवेश और लोगों के बीच मजबूत होते संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति दे रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा था कि भारत और मलेशिया दोनों देशों के रिश्तों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए मिलकर काम जारी रखेंगे। वहीं, द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत में अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता की भी तारीफ की थी।

पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट बांटे गए

-रिपोर्ट में खुलासा, राजनीतिक पार्टियों ने दागियों को टिकट देने की वजह नहीं बताई

नई दिल्ली,, एजेंसी।
एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। ये राज्य असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पार्टियों ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 176 उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह नहीं बताई। एडीआर ने 51 पार्टियों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में अपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें से 1,229 प्रत्याशियों के लिए पार्टियों ने सी-7 फॉर्म में जानकारी दी, जबकि 176 ने जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक पांचों राज्यों में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के सी-7 खुलासे नहीं मिले। एडीआर ने यहां 1,162 उम्मीदवारों का रिकॉर्ड देखा, जिनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों की सी-7 जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें सिर्फ 12 उम्मीदवारों के टिकट देने का कारण उपलब्ध था।
एडीआर ने सिर्फ सी-7 जानकारी गायब होने पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि पार्टियों की ओर से दिए गए कारणों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई उम्मीदवारों के लिए लोकप्रियता, सामाजिक कार्य, अनुभव, योग्यता और अच्छी छवि जैसे एक ही तरह के कारण बताए गए। कई मामलों में भाषा भी एक जैसी थी यानी हर उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड और योग्यता के आधार पर अलग कारण बताने के बजाय एक तय भाषा का इस्तेमाल किया गया।
एडीआर ने तमिलनाडु में बीजेपी, एआईएडीएमके, डीएमके और टीवीके के कुछ उम्मीदवारों के सी-7 फॉर्म में एक जैसे शब्दों का इस्तेमाल का जिक्र किया है। इससे सवाल उठता है कि क्या उम्मीदवारों के चयन की वजहों को अलग-अलग तैयार किया गया था या सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई।
एडीआर ने कहा कि रिपोर्ट चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान पार्टियों की वेबसाइट और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। संभव है कि कुछ पार्टियों ने सी-7 की जानकारी किसी दूसरे जरिए से जारी की हो, जो एडीआर के रिकॉर्ड में नहीं आ पाई गई। इसलिए 191 मामलों में जानकारी नहीं मिलने को सीधे नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया है। इसे सार्वजनिक रिकॉर्ड में जानकारी उपलब्ध न होने के तौर पर देखा गया है।

मुख्यमंत्री ने किया गाजियाबाद 360 कॉफी टेबल पुस्तक का अनावरण

164 पृष्ठों में नगर निगम के 150 से अधिक कार्यों, परियोजनाओं और भावी योजनाओं का किया गया उल्लेख

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से तैयार की गई गाजियाबाद 360 कॉफी टेबल पुस्तक का अनावरण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को शुभकामनाएं देते हुए शहर के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। 164 पृष्ठों की इस पुस्तक में नगर निगम के 150 से अधिक प्रमुख कार्यों, परियोजनाओं, पहलों और आगामी योजनाओं को विस्तार से दशार्या गया है।

विकास और पर्यावरण संरक्षण की योजनाओं को मिली सराहना

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि पुस्तक में पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के साथ साथ वर्तमान में चल रहे और प्रस्तावित कार्यों की जानकारी भी दी गई है। मुख्यमंत्री ने जैव विविधता पार्क, जैव सीएनजी संयंत्र, मुख्यमंत्री ग्रिड चरण दो, उपवन योजना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी ली तथा नगर निगम की कार्ययोजना पर संतोष जताया।

आधुनिक तकनीक से बदल रहा शहर का स्वरूप

पुस्तक में स्मार्ट सुविधाओं, एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली, एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र, वाहन निगरानी प्रणाली, ई-कार्यालय, सड़कों के विकास, डिजिटल पुस्तकालय, ऊर्ध्वाधर पार्किंग और बहुस्तरीय वाहन पार्किंग समेत विभिन्न परियोजनाओं को शामिल किया गया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत जैव-सीएनजी संयंत्र, सूखा कचरा संयंत्र, सामुदायिक खाद केंद्र और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की पहल का भी उल्लेख है।

पर्यावरण संरक्षण के तहत 17 स्थानों पर मियावाकी पद्धति से सघन वन, उपवन योजना, वर्षा जल संचयन और गंगा जल आपूर्ति परियोजना को प्रमुखता दी गई है। पुस्तक में भविष्य की योजनाओं में एकीकृत व्यापार केंद्र, माल परिवहन केंद्र, बहु-खेल परिसर, बस प्रतीक्षालय, खरीदारी परिसर और अन्य परियोजनाओं को भी दशार्या गया है।

महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में नगर निगम ने शहरहित और पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक कार्य किए हैं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़, पुलिस उपायुक्त जे रविंदर गौड, जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजनौर को जाम मुक्त बनाने के लिए चला व्यापक अभियान, बुखारा चुंगी से जानी चौराहे तक हटाया अतिक्रमण

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगरीय क्षेत्र को जाम मुक्त और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस, नगर पालिका परिषद और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर में व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। टीम ने बुखारा चुंगी से लेकर जानी चौराहे तक सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया। अचानक हुई कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अस्थायी रूप से लगाए गए सामान और अन्य अवरोधों को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने का प्रयास किया गया। प्रशासन की कार्रवाई का उद्देश्य सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण लगने वाले जाम और यातायात संबंधी समस्याओं से लोगों को राहत दिलाना है। कार्रवाई के दौरान संबंधित विभागों की टीम ने सड़क किनारे सार्वजनिक आवागमन में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाया नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव ने बताया कि आम नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने व्यापारियों और दुकानदारों से सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का स्थायी अथवा अस्थायी अतिक्रमण नहीं करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि शहर को जाम मुक्त रखने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा। दोबारा सड़क पर कब्जा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेहरू स्टेडियम में कबड्डी प्रतियोगिता, आरजेपी आर्य इंटर कॉलेज विजेता

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कृषि औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी के अंतर्गत नेहरू स्टेडियम में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले की 10 टीमों ने हिस्सा लिया। रोमांचक मुकाबले में आरजेपी आर्य इंटर कॉलेज, बिजनौर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि बाकपुर गांव की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह और नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के संयोजक विजेंद्र सिंह और सह-संयोजक प्रतिका राठी ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता आरजेपी आर्य इंटर कॉलेज की टीम के प्रबंधक अंशु चौधरी तथा उपविजेता बाकपुर टीम के प्रबंधक रोहित चौधरी ने अपनी-अपनी टीम की ओर से पुरस्कार ग्रहण किए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह और पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबड्डी देश का पारंपरिक खेल है, जिसे बढ़ावा देना आवश्यक है। खेलकूद से शरीर और मन स्वस्थ रहते हैं तथा खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे की भावना विकसित होती है।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह और अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभासद अफजाल पहाड़ी, शमशाद अंसारी और मोहम्मद कासिम कार्यक्रम अध्यक्ष रहे। प्रतियोगिता को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार सहित निर्णायक मंडल के रोहित, अंशु चौधरी, चित्रा चौहान, पूजा रानी, अर्जुन, विशाल कुमार, हर्ष, अरविंद, आशीष और राजेंद्र सोलंकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहारनपुर में पुल निर्माण की धीमी गति पर सरकार नाराज, अधिकारियों ने ठेकेदारों को दिए तेजी के निर्देश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाले सहारनपुर जनपद में महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण में हो रही देरी पर सरकार ने नाराजगी जताई है। अधिकारियों ने निमार्णाधीन पुलों का मौके पर निरीक्षण कर संबंधित ठेकेदारों को कार्य में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए। मां शाकुम्बरी देवी क्षेत्र में भूरादेव मंदिर से मां शाकुम्बरी देवी मंदिर तक करीब 46 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत से पुल का निर्माण कराया जा रहा है। 17 मार्च 2025 को शुरू हुआ यह कार्य नवंबर 2026 तक पूरा होना था, लेकिन देरी के कारण अब नवंबर-दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। जिलाधिकारी अरविंद चौहान और सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक सुधीर भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर निर्माण की प्रगति देखी। पहुंच मार्ग सहित पुल की कुल लंबाई 1410 मीटर और चौड़ाई 11.5 मीटर है। इसके बनने से श्रद्धालुओं को बारिश और जलभराव के दौरान आवागमन में राहत मिलेगी।

देवबंद के भायला रेलवे फाटक पर 745 मीटर लंबे दो लेन के पुल का निर्माण भी समय से पीछे चल रहा है। करीब 32 करोड़ रुपये की लागत से मार्च 2024 में शुरू हुए इस पुल को अक्टूबर-नवंबर तक पूरा किया जाना था, लेकिन रेलवे विभाग से जुड़ी अड़चनों के कारण अब मार्च 2027 तक पूरा होने की संभावना है। वहीं नकुड़ क्षेत्र में यमुना नदी पर अलहनपुर से हरियाणा के सौंधेबांस तक 540 मीटर लंबे और 11.5 मीटर चौड़े पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। करीब 48 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से बने पुल पर अंतिम कार्य चल रहा है। पुल शुरू होने पर उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बीच दूरी घटकर करीब 3-4 किलोमीटर रह जाएगी। जिले में वर्तमान में आठ पुल निमार्णाधीन हैं, जबकि दो नए पुलों को मंजूरी मिल चुकी है।

रक्तदान शिविर में 60 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

नगीना (शिखर समाचार)। नगर के क्षत्रिय नगर स्थित जीके अस्पताल में सर्वोदय ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर, धामपुर की पहल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 60 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद का संकल्प लिया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में गगन त्यागी, वासु अग्रवाल व उनके बेटे गर्वित अग्रवाल, पार्थ गर्ग, रजनीश कुमार, मुकुल कुमार, गौरव कुमार, योगेश कुमार, हर्ष गुप्ता, अनुज गर्ग, विक्रांत मिश्रा, भावना गर्ग, अनमोल अग्रवाल, विशाल त्यागी, राशि, शोभित, डॉ. जुबैर अंसारी, मोहम्मद यावर और मोहम्मद फैजान सहित 60 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. आकाश अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। इसलिए स्वस्थ लोगों को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। धामपुर से आई टीम में डॉ. एनपी सिंह के अलावा जय कुमार शर्मा, मनीष कुमार, अंकुर कुमार, पंकज पंवार, दीप राज और कुलदीप कुमार मौजूद रहे। वहीं नगीना के जीके अस्पताल की टीम में डॉ. आकाश कुमार के अलावा अरुण कुमार, विनीत कुमार, शिवम, आनंद कुमार, साक्षी, रीना देवी और अजय कुमार ने सहयोग किया। आयोजकों ने रक्तदाताओं और सहयोग करने वाली टीम के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण समाज संगठित होकर राष्ट्र निर्माण में निभाए भूमिका : बृजेश पाठक

गाजियाबाद में विशाल ब्रह्म समागम आयोजित, 12 सूत्रीय मांगों को भाजपा नेतृत्व तक पहुंचाने पर बनी सहमति

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ की ओर से गाजियाबाद में विशाल ब्रह्म समागम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आरडी शर्मा एवं राष्ट्रीय महासचिव तथा कार्यक्रम संयोजक पंडित आदेश फौजी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक शामिल हुए। उन्होंने ब्राह्मण समाज को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को संगठित रहते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभानी चाहिए।

ब्राह्मण समाज की 12 सूत्रीय मांगों पर बनी सहमति

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक संजीव शर्मा ने की। राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी ने कहा कि ब्राह्मण समाज की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर विभिन्न ब्राह्मण संगठनों ने सहमति व्यक्त की है। इन मांगों में ब्राह्मण आयोग का गठन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों में संशोधन और आर्थिक आधार पर आरक्षण सहित अन्य विषय शामिल हैं। इन मांगों से भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया जाएगा।

मेरठ से भी पहुंचे सैकड़ों कार्यकर्ता

समागम में राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के सैकड़ों कार्यकर्ता मेरठ से विशेष रूप से कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे। कार्यकताओं ने समागम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए ब्राह्मण समाज की एकजुटता का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि विभिन्न जिलों से समाज के लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत करने के लिए लोगों में उत्साह है।

संतों का आशीर्वाद और समाज की एकजुटता का संदेश

समागम में पीठाधीश्वर जयभगवान शर्मा सहित संतों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ समाज को सेवा, सद्भाव और संस्कारों के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में भाजपा गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, विधायक संजीव शर्मा, विधायक धर्मेंद्र भारद्वाज, पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विमल शर्मा, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक सुनील भराला, मरघट वाले हनुमान मंदिर के महंत पंडित वैभव शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा आयुष शर्मा, अमरेश शर्मा, राजीव शर्मा, तरुण शर्मा, योगेश त्रिपाठी, पंकज भारद्वाज, महेश मुद्गल, जितेंद्र गोस्वामी, प्रदीप शर्मा, गौरव शर्मा, पवन शर्मा, दीपक शर्मा, रामकुमार त्यागी, सत्यपाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, रुचिन त्यागी, गौरव वशिष्ठ, राकेश भारद्वाज, नीरज शर्मा समेत हजारों परशुराम वंशज, अन्य गणमान्यजन और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

पारस जैन की दादी के निधन पर शोक जताने पहुंचे संजीव बालियान सहित कई लोग

खतौली (शिखर समाचार)। नगर के पूर्व पालिकाध्यक्ष पारस जैन की दादी सुमित्रा जैन के निधन पर उनके आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का सिलसिला जारी है। रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला मंत्री अनुज सहरावत, प्रदीप सैनी सहित कई लोग पारस जैन के आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

निधन की सूचना मिलने के बाद से ही नगरवासियों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचकर परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान सहित अन्य नेताओं ने पारस जैन और उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

संगीता सैनी की तेरहवीं में भी पहुंचे गणमान्य लोग

खतौली क्षेत्र में स्वर्गीय विधायक रामपाल सिंह सैनी की पुत्रवधू और राकेश सैनी की पत्नी संगीता सैनी की तेरहवीं में भी केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान सहित कई नेता, रिश्तेदार और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत संगीता सैनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय रामपाल सिंह सैनी मोरना विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रहे थे। उनके पुत्र राकेश सैनी कस्बे के सैनी नगर में अपने परिजनों के साथ रहते हैं।

नशे के खिलाफ गांव-गांव अभियान चलाएगी भाकियू, युवाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान

सिसौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। किसान मुख्यालय सिसौली में भारतीय किसान यूनियन की पंचायत में विभिन्न बिरादरियों के खाप चौधरियों की बैठक आयोजित हुई। पंचायत को संबोधित करते हुए भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने युवाओं को नशे से दूर रहने और बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव-देहात में जहां भी नशे का कारोबार चल रहा है, उसे बंद कराने के लिए प्रयास किए जाएंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि गांव हो या शहर, युवाओं को संगठन से जोड़ने और युवा इकाई को मजबूत करने के लिए गांव-गांव बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पंचायत में उन्होंने 17 सितंबर की रात मुजफ्फरनगर में होने वाली पंचायत में किसानों और कार्यकताओं से ट्रैक्टरों के साथ बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। पंचायत में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष चौधरी गौरव टिकैत, कमल मित्तल वैश्य समाज, अलीशेर तेली समाज, विनोद वर्मा स्वर्ण समाज सहित 36 बिरादरियों के चौधरी मौजूद रहे। इसके अलावा युवा नगर अध्यक्ष भाकियू सिसौली अर्जुन बालियान, अनमोल धीमान, शाह आलम, नितिन, सक्षम, सूरज, पिंटू बालियान, शाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र बालियान और सहारनपुर मंडल उपाध्यक्ष गुरमेल बाजवा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पंचायत की अध्यक्षता बालियान खाप कश्यप चौधरी राकेश कश्यप ने की, जबकि संचालन मास्टर राहुल बालियान हड़ौली ने किया।

गोहरनी पहुंचे मोहित बेनीवाल का ग्रामीणों और भाजपा कार्यकताओं ने किया स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल के गोहरनी गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और भाजपा कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व प्रधान विपिन राणा के आवास पर किया गया। इस दौरान मोहित बेनीवाल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं, सुझावों और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मोहित बेनीवाल ने कहा कि भाजपा सरकार जनता से निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का कार्य कर रही है। गांव-गांव पहुंचकर जनता से सीधा संवाद किया जा रहा है और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास, किसानों के हित, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता हैं। जनता की समस्याएं सुनना और उनके समाधान की दिशा में लगातार कार्य करना सुशासन की पहचान है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बातीशाखाप चौधरी शोकेंद्र चौधरी ने की, जबकि संचालन कुलदीप पंवार ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान संजू, बेनीवाल खाप चौधरी अमित बेनीवाल, अंकित गोयल, घनश्याम पारचा, पूर्व प्रधान विपिन राणा, अनुराग शर्मा, पूर्व चेयरमैन संजय शर्मा, गोविंद सैनी, छतरपाल कश्यप, मुकेश गोयल, रमेश, राजवीर निर्वाल, जीतू निर्वाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, वरिष्ठजन और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से झोलाछाप और अवैध अस्पताल संचालकों में मचा हड़कंप

शामली (शिखर समाचार)। स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को झोलाछाप चिकित्सकों और बिना पंजीकरण संचालित हो रहे अस्पतालों के खिलाफ अभियान चलाकर शहर में कई स्थानों पर औचक निरीक्षण किया। अवैध अस्पताल एवं झोलाछाप के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी ने मोहल्ला सलेक विहार स्थित आनंद अस्पताल और जीवन रक्षा अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में मिली कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश संचालकों को दिए गए।

निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने अस्पतालों में तैनात चिकित्सकों की जानकारी लेने के साथ उनकी शैक्षिक योग्यता से संबंधित प्रमाणपत्रों की भी जांच की। मौके पर चिकित्सकों के मौजूद नहीं मिलने पर उन्होंने अस्पताल संचालकों से चिकित्सकों को बुलाने के लिए कहा। चिकित्सकों के बाहर होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि चिकित्सक की मौजूदगी के बिना किसी मरीज को अस्पताल में भर्ती न किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नोडल अधिकारी ने अस्पताल के शल्य कक्ष और मरीजों के वार्ड का भी निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई समेत कई कमियां सामने आईं। उन्होंने अस्पताल संचालकों को सभी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही बिना पंजीकरण अस्पताल या क्लीनिक संचालित करने वालों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई के साथ आवश्यकतानुसार प्राथमिकी भी दर्ज कराई जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग की अचानक हुई कार्रवाई से झोलाछाप और बिना पंजीकरण अस्पताल संचालित करने

लायंस क्लब ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

शामली (शिखर समाचार)। लायंस क्लब शामली सिनर्जी की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को लेकर शहर के सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल तथा कांधला स्थित सेंट द्रोणा पब्लिक स्कूल में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने का आह्वान किया गया। प्रोजेक्ट संयोजक पारस जैन एवं प्रोजेक्ट अध्यक्ष भारत संगल के नेतृत्व में आयोजित अभियान के दौरान पौधारोपण, पौध वितरण, प्लास्टिक कचरा सफाई, कचरा प्रबंधन और जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां कराई गईं। क्लब सदस्यों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने संकल्प लिया कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सीख को अपने दैनिक जीवन में अपनाएंगे तथा परिवार, विद्यालय और समाज के अन्य लोगों को भी प्रकृति के प्रति जागरूक करेंगे।

क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल किसी एक संस्था या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़-पौधों का संरक्षण, प्लास्टिक के अनावश्यक इस्तेमाल से बचाव, कचरे का उचित प्रबंधन और पानी की बचत जैसे छोटे-छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से इन आदतों को अपने जीवन का हिस्सा बनाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल बस में छात्राएं हैं तो महिला अटेंडेंट अनिवार्य

आगरा, एजेंसी। छात्राओं की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में 14 से 19 सितंबर तक मिशन सेफ एयूचर-3 अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत छात्राओं को ले जाने वाली हर स्कूल बस में महिला अटेंडेंट की मौजूदगी अनिवार्य कर दी गई है। नियमों का पालन न करने पर स्कूलों और वाहन संचालकों पर 10 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है।छात्राओं को ले जाने वाली प्रत्येक स्कूल बस में महिला अटेंडेंट का होना जरूरी है। चालक और अटेंडेंट का पुलिस सत्यापन भी अनिवार्य किया गया है। बिना वेरीफिकेशन या महिला अटेंडेंट के वाहन चलाने पर जुर्माना लगेगा। परिवहन आयुक्त ने डीएम एवं पुलिस आयुक्त से अभियान में सहयोग मांगा है। दोनों जिला विद्यालय सुरक्षा समिति के पदेन अध्यक्ष व उपाध्यक्ष हैं।विद्यालयों में स्कूल परिवहन यान समिति का गठन जरूरी है। इसके पदेन सदस्य एसएचओ और नायब तहसीलदार होंगे। स्कूल वाहन से दुर्घटना होने पर क्षेत्र के एसएचओ, नायब तहसीलदार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और संबंधित सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) की जिम्मेदारी तय की जाएगी। सुरक्षा मानकों का बार-बार उल्लंघन करने वाले विद्यालयों की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई शिक्षा विभाग करेगा।

कोलकाता से आए जासूस पकड़ रहे नकली दवा, विभाग को खबर नहीं

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर में धड़ल्ले से नकली दवाएं बिक रही हैं। शुक्रवार को कोलकाता के जासूस ने एक कंपनी के ब्रांड के नाम पर नकली पुरुष यौन शक्तिवर्धक कैप्सूल बेचने का खुलासा किया। कंपनी ने एफआईआर दर्ज कराई गई तो पुलिस ने दो मेडिकल स्टोर संचालकों को गिरफ्तार किया। इतना सब होने के बाद भी आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग के प्रभारी नरेंद्र कुमार को इस बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके पास इसकी लिखित शिकायत नहीं आई है।कंपनी का दावा है कि नकली पुरुष यौन शक्तिवर्धक कैप्सूल की आपूर्ति दिल्ली से अलीगढ़ आ रही थी। रसलगंज स्थित नव दुर्गा मेडिकल एजेंसी के संचालक आकाश वार्ष्णेय ने बताया कि जनवरी 2026 में उन्होंने इस कंपनी का काम शुरू किया था। महीने में करीब एक लाख रुपये के कैप्सूल बिक रहे थे लेकिन धीरे-धीरे इसकी मांग कम होने लगी। उन्होंने दवा निर्माता कंपनी महामाया इम्स एंड कास्मेटिक फर्म इंदौर को इसकी जानकारी दी। इसके बाद कंपनी ने कोलकाता के आलवेज डिटेक्टिव प्राइवेट लिमिटेड नामक जासूस कंपनी की मदद से नकली कैप्सूल बेचने का पर्दाफाश किया।आकाश ने बताया कि नकली कैप्सूल पीले रंग का है, जबकि असली सुनहरे रंग का होता है। नकली की पैकिंग स्पष्ट नहीं दिखती है। 700 एमजी के छह कैप्सूल का पता 660 रुपये का मिलता है। यह दवा यौन शक्तिवर्धक है, जो आयुर्वेदिक पद्धति से बनती है। इस प्रकरण में नगला पटवारी स्थित जनता फार्मेसी के संचालक सलमान ताहिर और आर्यन मेडिकल स्टोर नगला पटवारी के संचालक रफीक खान को गिरफ्तार किया गया है।

नगर निगम से जमीन लेने के लिए एएमयू ने फेंकी पीएम-पूर्व पीएम की गुगली

अलीगढ़ , एजेंसी। राइडिंग क्लब की जमीन को लेकर नगर निगम और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के बीच चल रहे विवाद में अब प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम की सियासी गुगली आ गई है। नगर निगम से जमीन लेने के लिए एएमयू के छात्रों ने यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से 2500 बेड का हॉस्टल बनाने का प्रस्ताव तैयार किया। इसके बाद जमीन का विवाद कैंपस की बहस का मुद्दा बनता दिख रहा है। छात्र सोनपाल सिंह और मोहम्मद सलमान गौरी ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को आवेदन देकर यूनियन हॉल में इस मुद्दे पर बहस कराने की अनुमति भी मांगी है। प्रस्ताव में राइडिंग क्लब की जमीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से हॉस्टल बनाने की मांग की गई है। वहीं, कुछ छात्रों ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से हॉस्टल बनाने का सुझाव दिया है। छात्रों के मुताबिक इस प्रस्ताव पर यूनियन हॉल में चर्चा 13 सितंबर की शाम तीन बजे से शुरू हो सकती है। दरअसल 20 अगस्त को नगर निगम ने नगला पटवारी में करीब 500 करोड़ की कीमत वाली 3.86 हेक्टेयर जमीन को एएमयू से कब्जा मुक्त कराने का दावा किया। इसे लेकर विरोध शुरू हुआ तो प्रशासन ने दोनों पक्षों के साथ बैठक की। तब से यह मामला विचाराधीन है और बहस के लिए चौथी सुनवाई 22 सितंबर को होगी, लेकिन उससे पहले हॉस्टल के नाम पर पीएम और पूर्व पीएम के नाम के प्रस्तावों की एंट्री ने पूरे मामले को दिलचस्प बना दिया है। कैंपस में चर्चा यह भी है कि यदि प्रधानमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर हॉस्टल के प्रस्ताव सामने आ रहे हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम पर भी हॉस्टल क्यों न बनाया जाए। प्रोफेसरों के बीच इस पर चुटकी भी ली जा रही है।राइडिंग क्लब की जमीन को लेकर एसडीएम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी बीच यूनियन हॉल में प्रस्तावित बहस के लिए छात्रों ने अनुमति मांगी है। अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन के फैसले पर हैं। बहस की अनुमति मिलती है तो जमीन के अधिकार से लेकर हॉस्टल के प्रस्ताव तक कई मुद्दों पर कैंपस में खुली बहस हो सकती है।

समारोह में दिखा महिला उद्यमियों का उत्साह

लखनऊ , एजेंसी। तवस्या महिला उद्यमी मंच के प्रथम मिलन समारोह का आयोजन शनिवार को गोमतीनगर स्थित होटल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सशक्त मंच प्रदान करना, आपसी सहयोग व संपर्क को बढ़ावा देना तथा महिलाओं को व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच की अध्यक्ष डॉ. नित्या वर्मा ने की। महिलाओं के बीच परिचय, विचारों के आदान-प्रदान, अनुभव साझा करने और भविष्य में एक दूसरे के साथ सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इसमें बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों और व्यवसायिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं ने सहभागिता की। इस दौरान डॉ. सौम्या त्रिपाठी, डॉ. निधि शुक्ला, सुरभि अग्रवाल, मानसी द्विवेदी, ज्योति आनंद, आशा सिंह आदि मौजूद रहीं।

क्षेत्र में छह एंबुलेंस, फिर भी समय पर नहीं मिलीं

गोरखपुर , एजेंसी। उरुवा क्षेत्र के पहाड़पुर में छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 65 वर्षीय राजकुमार की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी। परिजनों ने एंबुलेंस मिलने में देरी को लेकर सवाल उठाए हैं। पत्नी विमला देवी का आरोप है कि घर से उरुवा पीएचसी ले जाने के समय भी एंबुलेंस पहुंचने में देर हुई। इसके बाद पीएचसी में हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद भी एंबुलेंस के लिए करीब 45 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। इसी दौरान राजकुमार की हालत और बिगड़ गई और जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।

शुक्रवार दोपहर करीब 2:27 बजे का मामला

पहाड़पुर निवासी राजकुमार गुसा छत से नीचे गिर गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई। परिजन उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी में जुटे। दोपहर 2:27 बजे राजकुमार को एंबुलेंस से उरुवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। पत्नी विमला देवी का आरोप है कि घर से अस्पताल लाने के लिए एंबुलेंस पहुंचने में भी देरी हुई। उरुवा पीएचसी में चिकित्साधिकारी डॉ. जेपी त्रिपाठी ने राजकुमार का प्राथमिक उपचार शुरू किया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर करने की तैयारी की गई।

3 बजे किया गया रेफर

चिकित्सक ने अपरान्ह करीब तीन बजे राजकुमार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पीएचसी पर उस समय एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। अस्पताल की ओर से जिला एंबुलेंस समन्वयक को सूचना देकर एंबुलेंस की मांग की गई। परिजनों के अनुसार एंबुलेंस के आने की जानकारी दी गई, लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस नहीं पहुंची। करीब 45 मिनट तक राजकुमार गंभीर हालत में पीएचसी पर रहे। इस दौरान उनकी हालत लगातार बिगड़ती रही।

बेलघाट से पहुंची एंबुलेंस

बेलघाट से एंबुलेंस पीएचसी पर पहुंची। पीएचसी से इसकी दूरी करीब 30 किलोमीटर है, वहीं एक और एंबुलेंस माल्हनपार से पहुंची। राजकुमार को उसमें जिला अस्पताल के लिए रवाना किया गया। परिजनों के मुताबिक तब तक उनकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। पत्नी विमला देवी का आरोप है कि अगर घर से अस्पताल लाने और पीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद एंबुलेंस समय पर मिल जाती तो राजकुमार को समय से इलाज मिल सकता था। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह और एंबुलेंस पहुंचने में हुई देरी की स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

छह एंबुलेंस की व्यवस्था, फिर भी नजदीकी उपलब्ध नहीं होने का दावा

एंबुलेंस सेवा के क्षेत्रीय प्रबंधक दिग्विजय मौर्य के अनुसार एक निश्चित क्षेत्र में छह एंबुलेंस तैनात रहती हैं। कॉल मिलने पर मरीज की लोकेशन के आधार पर नजदीकी उपलब्ध एंबुलेंस को भेजा जाता है। घटना के समय संबंधित क्षेत्र में नजदीकी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। बेलघाट से एंबुलेंस भेजी गई और माल्हनपार से भी एंबुलेंस मांगी गई। एंबुलेंस मिलने के बाद मरीज को जिला अस्पताल भेजा गया।

जिले में संचालित हैं 96 एंबुलेंस

जिले में कुल 96 एंबुलेंस संचालित हैं। इनमें 50 एंबुलेंस 102 सेवा और 46 एंबुलेंस 108 सेवा की हैं। इसके अलावा छह एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस भी हैं। मरीज तक अधिकतम 15 मिनट में एंबुलेंस पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके लिए करीब सात किलोमीटर की दूरी का मानक रखा गया है। दिन के समय यातायात और जाम की वजह से भी एंबुलेंस के पहुंचने में समय लगने की बात विभाग की ओर से कही गई है।

अधिवक्ताओं की मौत के मामले में भी एंबुलेंस की देरी का लगा था आरोप

छह सितंबर को राजघाट पर गुंबद गिरने से घायल हुए दो अधिवक्ताओं की मौत के मामले में भी एंबुलेंस पहुंचने में देरी का आरोप लगा था। अब एक सप्ताह के भीतर दूसरा मामला सामने आया है।

मेडिकल कॉलेज में शुरू हुई ट्रॉप आई जांच, हृदय रोगियों को सहूलियत

कानपुर, एजेंसी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अकबरपुर में अब हार्ट अटैक की जांच के लिए ट्रॉप आई (ट्रोपोनिन-आई) जांच की सुविधा शुरू कर दी गई है। जिले में अभी तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में हृदय संबंधी गंभीर मरीजों को जांच के लिए कानपुर के हृदय रोग संस्थान पर निर्भर रहना पड़ता था। नई सुविधा शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अंबरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्रॉप आई जांच के माध्यम से मरीज के खून में ट्रोपोनिन-आई प्रोटीन की मात्रा की जांच की जाती है। हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचने पर इसका स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में सीने में दर्द, सांस लेने में परेशानी और अन्य लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में हार्ट अटैक की स्थिति का पता लगाने में यह जांच चिकित्सकों के लिए मददगार होगी। इमरजेंसी में आने वाले संदिग्ध हृदय रोगियों की समय पर जांच कर उपचार शुरू करने में सुविधा होगी। पहले जांच की सुविधा नहीं होने से कई मरीजों को बाहर रेफर करना पड़ता था। अब मेडिकल कॉलेज में ही जांच होने से उपचार में देरी कम होगी और गंभीर मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। हृदय रोग से जुड़ी अन्य आधुनिक जांचों की सुविधा भी शुरू करवाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन की सुविधा 24 घंटे संचालित की जाएगी। 24 घंटे जांच की सुविधा शुरू होने से सड़क हादसों में घायल मरीजों, गंभीर रोगियों और रात के समय अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को काफी राहत मिलेगी। जांच रिपोर्ट समय से मिलने पर चिकित्सकों को उपचार संबंधी निर्णय लेने में भी आसानी होगी।

वहीं, अस्पताल में एमआरआई जांच की सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसके लिए जरूरी ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है। अब अन्य जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर सुविधा शुरू करने की तैयारी की है। एमआरआई की सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को जांच के लिए कानपुर समेत दूसरे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

70 साल बाद बन रहा है महाजयंती योग का अद्भुत महासंयोग

कानपुर, एजेंसी। सुहागिनों का महापर्व हरतालिका तीज 14 सितंबर को है। इस बार हरतालिका तीज पर महाजयंती योग का महासंयोग बन रहा है। इस व्रत में सौभाग्यवती स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु, आरोग्यता और अनुकूलता की कामना करती हैं। कुमारी कन्याएं भी मनोवांछित वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करती हैं। इसमें मां गौरी और शिव परिवार का पूजन किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य पीएन द्विवेदी का कहना है कि ऐसा महासंयोग 70 साल बाद बन रहा है। इस व्रत के देवता मां पार्वती और उप देवता भगवान शिव हैं। इस दिन स्वाति नक्षत्र, सोमवार का दिन, चतुर्थी तिथि, ब्रह्मयोग और रवि सिद्धि योग के कारण महाजयंती योग का महासंयोग बन रहा है। हरतालिका व्रत तृतीया से युक्त चतुर्थी तिथि में किया जाता है।

सोमवार सुबह सात बजकर सात मिनट पर तृतीया तिथि समाप्त होकर चतुर्थी तिथि का आगमन हो रहा है। अगले दिन मंगलवार सुबह सात बजकर 45 मिनट पर चतुर्थी तिथि समाप्त हो रही है। शास्त्रों में कहा गया है कि तृतीया तिथि के बाद सायंकाल में चतुर्थी तिथि हो तो उसी दिन हरतालिका व्रत मनाया जाता है।

पूजन का मुहूर्त : हरतालिका का व्रत सोमवार सुबह से शुरू हो जाएगा। विधिवत पूजन का समय प्रदोष काल गोधूलि बेला में माना गया है। ऐसे में पूजन का मुहूर्त शाम छह बजकर 35 मिनट से प्रारंभ होना चाहिए। इस दिन भद्राकाल शाम सात बजकर 34 मिनट से प्रारंभ हो रहा है। भद्रा तुला राशि में है। तुला राशि की भद्रा का वास पाताल लोक में होता है। पाताल लोक के भद्राकाल में पूजन से नुकसान नहीं होता, बल्कि धन का आगमन होता है।

कुमारी कन्याओं के लिए विशेष महत्व : ज्योतिषाचार्य मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि यदि कन्याएं महाजयंती योग के महासंयोग में गौरी पूजन करती हैं तो विवाह में आ रही बाधा या रुकावट समाप्त हो जाती है। इस व्रत के करने से मनोवांछित फल मिलता है। मां पार्वती ने यह व्रत करके भगवान शिव को प्राप्त किया था। उसी समय से इस व्रत की परंपरा प्रारंभ हुई।

वाराणसी की सुमेधा ने दक्षिण कोरिया में लहराया परचम, 18 साल बाद भारत ने जीता रजत

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी के मानस नगर कॉलोनी निवासी सुमेधा पाठक ने दक्षिण कोरिया में आयोजित वर्ल्ड पैरा शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को 18 साल बाद पी-2 स्पर्धा में रजत पदक दिलाया। 10 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में भारतीय महिला टीम ने पहली बार रजत पदक हासिल कर इतिहास रचा। प्रतियोगिता दक्षिण कोरिया के चेंगवान शहर में सात से 15 सितंबर तक आयोजित हुई।

भारतीय टीम में सुमेधा पाठक के साथ दिल्ली की भक्ति शर्मा और अजमेर की सृष्टि अरोड़ा शामिल थीं। टीम स्पर्धा में ईरान ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत को रजत और चीन को कांस्य पदक मिला। सुमेधा के पिता ब्रजेश चंद्र पाठक ने बताया कि इस उपलब्धि के लिए उनकी बेटी को छह वर्ष तक इंतजार करना पड़ा।

सुमेधा इससे पहले पेरू और यूएई में आयोजित वर्ल्ड पैरा शूटिंग प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करने से चूक गई थीं। लगातार प्रयास के बाद तीसरे मौके पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और शहर में खुशी का माहौल है।

सुमेधा की इस सफलता को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रजत पदक जीतने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वह जापान में होने वाले एशियन गेम्स में पदक पर निशाना साधने की तैयारी करेंगी। एशियन गेम्स का आयोजन 14 से 24 अक्तूबर तक प्रस्तावित है। इसमें सुमेधा 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारतीय चुनौती पेश करेंगी।

सुमेधा के प्रदर्शन ने वाराणसी के खेल जगत में भी नई उम्मीद जगाई है। पैरा शूटिंग जैसे खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने न केवल भारतीय टीम को पदक दिलाया, बल्कि लंबे अंतराल के बाद इस स्पर्धा में देश की वापसी भी दर्ज कराई। परिवार के मुताबिक, अब उनकी नजर एशियन गेम्स में बेहतर प्रदर्शन और पदक हासिल करने पर है।

30 हजार रुपये लेने के बाद नवजात को अस्पताल ने किया डिस्चार्ज

गोरखपुर , एजेंसी। शाहपुर क्षेत्र के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती नवजात को 30 हजार रुपये लेने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने रविवार को डिस्चार्ज कर दिया। नवजात के पिता शशि भूषण ने बताया कि बच्ची को लेकर वह आगे के इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गए हैं। इससे पहले परिजनों ने अस्पताल पर इलाज और दवा के नाम पर 96 हजार रुपये लेने के बाद डिस्चार्ज के लिए 90 हजार रुपये और मांगने का आरोप लगाया था।

कुशीनगर के तरयासुजान थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि उनके बेटे शशि भूषण की पत्नी गुड़िया देवी को 29 अगस्त को प्रसव पीड़ा हुई थी। कसया के वरदान अस्पताल में ऑपरेशन से बच्ची का जन्म हुआ। सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टरों ने उसे एनआईसीयू में भर्ती कराने की सलाह दी। इसके बाद परिजन बच्ची को पडरौना जिला अस्पताल ले गए, जहां वह छह दिन भर्ती रही। हालत में सुधार नहीं होने पर पांच सितंबर को डॉक्टरों ने उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

परिजन का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज ले जाने के दौरान एंबुलेंस चालक ने बेहतर इलाज का भरोसा देकर उन्हें गुमराह किया और बच्ची को फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

अर्जुन के मुताबिक, पांच सितंबर से अस्पताल ने इलाज और दवा के नाम पर 96 हजार रुपये लिए। बच्ची की हालत में सुधार नहीं होने पर परिजनों ने बृहस्पतिवार से उसे डिस्चार्ज करने की मांग की, ताकि मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया जा सके। आरोप है कि अस्पताल की ओर से 90 हजार रुपये और जमा करने पर ही डिस्चार्ज करने की बात कही गई। परेशान परिजनों ने शनिवार को डायल 112 पर सूचना दी।

दीवानी में दिखा मेले जैसा नजारा

6.76 लाख मामलों का हुआ निस्तारण; वादकारियों को मिली राहत

आगरा, एजेंसी। आगरा के दीवानी परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 6,76,335 मामले सुलझाए गए। जिला जज संजय कुमार मलिक ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। एक ही दिन में वर्षों से न्याय के लिए तरस रहे लाखों वादकारियों को राहत मिली। दीवानी और तहसील परिसरों में मेले जैसा नजारा रहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में पीड़ित पक्षों को कुल 10.95 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति दिलाई गई। जिला जज ने चार मामलों का निस्तारण किया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशों ने 1,365 अन्य वादों का निपटारा किया, जिनमें 44.23 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी रामविलास ने 140 मामलों का निस्तारण किया।

परिवार न्यायालयों में 86 मामले निपटे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य न्यायालयों ने 13,222 वाद निपटाए। जिला उपभोक्ता आयोग, स्थायी लोक अदालत और वाणिज्यिक न्यायालयों ने 37 मामलों का निस्तारण किया। वर्चुअल न्यायालय के माध्यम से 1.53 लाख मोटर वाहन चालानों का भी निपटारा हुआ।

विभिन्न बैंकों के 1,341 मुकदमा-पूर्व मामलों में करीब 11.98 करोड़ रुपये का समझौता हुआ।

बुजुर्ग मां के सहारे जिंदगी काट रहे दिव्यांग शिव सिंह : दो लाख रुपये का बिजली बिल जमा कर कुछ राहत पाने की उम्मीद में शमसाबाद के गांव बिसेरी निवासी दिव्यांग शिव सिंह किसी से मांगकर लाई गई व्हील चेयर पर राष्ट्रीय लोक अदालत पहुंचे। मगर अदालत में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का काउंटर नहीं मिला। वह निराश होकर लौटे। 20 साल पहले पिता की मौत के बाद से वह बुजुर्ग मां के साथ रहते हैं। जिंदगी पहले ही मुश्किलों से भरी है, ऊपर से दो लाख रुपये का बिजली बिल उनके लिए बड़ा बोझ बना हुआ है।

चालान का समाधान कराने पहुंचे लोग : लोक अदालत में बिजली के बिल और गाड़ियों के चालान के समाधान के लिए अधिक लोग पहुंचे। टोरेंट पावर लिमिटेड के काउंटर पर अपना नंबर आने के लिए तो ई-सेवा केंद्र पर चालान की चार्जशीट निकलवाने के लिए सुबह से शाम तक वादकारी लाइन में लगे रहे। गोकुलपुरा निवासी नरेश कुमार ने बताया कि उनकी मां विमला देवी के नाम पर बिजली कनेक्शन है। दो साल पहले दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम ने 2 लाख रुपये बिजली बिल बकाया का नोटिस दिया। जमा न करने टोरेंट के कर्मचारी कनेक्शन काट गए।

12 साल से भटक रहीं थीं आरती, जज ने दिखाई मानवता : जिंदगी ने आरती गुप्ता को कई बार तोड़ा लेकिन इन्साफ की उम्मीद उन्होंने नहीं छोड़ी। ट्रांस यमुना निवासी आरती के खिलाफ 12 साल पहले थाना एत्माद्दौला में बिजली चोरी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पति ने करीब 30 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। बेटा भी अलग रहता है। बीते 12 वर्षों से इन्साफ की आस में अदालत की चौखट पर आती-जाती रहीं। राष्ट्रीय लोक अदालत में उनकी पीड़ा सामने आई तो विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट पवन श्रीवास्तव ने मानवता दिखाई और शमन शुल्क कम कर दिया। अधिवक्ताओं ने आरती की ओर से शमन शुल्क जमा कर मानवता की मिसाल पेश की। लंबे इंतजार के बाद मिली यह मदद आरती के लिए केवल आर्थिक राहत नहीं बल्कि यह एहसास भी थी कि मुश्किल समय में इन्सानियत अभी जिंदा है।

सेवा संकल्प अभियान को ऐतिहासिक बनाने के लिए जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर करें कार्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर रविवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में समीक्षा बैठक हुई। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। बताया गया कि एक माह तक चलने वाले अभियान में 12 अध्यायों के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दीया', 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा', 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन मिलन सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग', 'सेवा फर्स्ट नवाचार चुनौती' और 'सुशासन सेवा संवाद' शामिल हैं। अभियान के दौरान सरकार की

जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के साथ पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष जोर रहेगा।
प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवा काल की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत-2047' के संकल्प से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता और अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके और अभियान को ऐतिहासिक सफलता मिले।
बैठक में महापौर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, विधायक मंजू शिवाच, संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, अपर पुलिस आयुक्त राजकरन नय्यर, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने पत्रकारों से वार्ता कर अभियान के उद्देश्यों और कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

बिना मानचित्र स्वीकृति निर्माण पर एचपीडीए सख्त, 15 से 24 सितंबर तक चलेगा अभियान

अवैध निर्माणकताओं और कालोनाइजरों को नोटिस के बाद भी नहीं सुधरी स्थिति

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने जनपद की तीनों तहसील क्षेत्रों में अवैध निर्माण और अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण की ओर से मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में 15, 17, 22 और 24 सितंबर को सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जाएगा। प्राधिकरण ने निर्माणकताओं और कालोनाइजरों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि कार्रवाई से बचने के लिए मानचित्र स्वीकृत कराने के बाद ही निर्माण अथवा प्लाटिंग का कार्य शुरू करें।
बिना मानचित्र निर्माण से प्राधिकरण को राजस्व की क्षति
जिले के शहरी क्षेत्रों में भवन, गोदाम, दुकान, कारखाना सहित अन्य आवासीय और व्यावसायिक निर्माण कराने के लिए हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है। इसके

बावजूद कई स्थानों पर बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण कराया जा रहा है। इससे प्राधिकरण को प्रतिमाह लाखों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है। अवैध निर्माण को लेकर प्राधिकरण उपाध्यक्ष और प्रभारी सचिव को लगातार शिकायतें भी मिल रही हैं।
एचपीडीए के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग करने वाले लोगों को पूर्व में नोटिस जारी कर प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद कई लोगों ने मानचित्र स्वीकृत नहीं कराया। इसके बाद प्राधिकरण ने अब सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 15, 17, 22 और 24 सितंबर को जिले की तीनों तहसील क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्माणकताओं और कालोनाइजरों से अपील की कि प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराने के बाद ही निर्माण अथवा प्लाटिंग करें। गौरतलब है कि अवैध कालोनियों में जमीन के दाम कम होने के कारण स्वीकृत कालोनियों में भूखंडों की बिक्री भी प्रभावित हो रही है। जिले में अवैध कालोनियां काटे जाने की शिकायतें भी मिल रही हैं, जिन पर प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ अभियान के तहत बास्तम सुल्तानपुर में निकली यज्ञ यात्रा

देवबंद/सहारनपुर (शिखर समाचार)। जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा तहसील देवबंद के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'घर-घर यज्ञ, हर घर यज्ञ' अभियान के तहत ग्राम बास्तम सुल्तानपुर में विशाल यज्ञ यात्रा का आयोजन किया गया। यज्ञ के यजमान पूर्व प्रांत संयोजक बजरंग दल विकास त्यागी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अमरीश आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया।
यज्ञ यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए विकास त्यागी के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ यज्ञ में आहुति प्रदान की। इसके बाद यज्ञ प्रार्थना और शांति पाठ किया गया, जिसके साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।
तहसील मंत्री डॉ. सुरेंद्र आर्य ने कहा कि यज्ञ यात्रा का उद्देश्य लोगों को वैदिक संस्कृति से जोड़ना और इसके प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यज्ञ भारतीय वैदिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु में वातावरण में नमी बढ़ने से वायरल बुखार, जुकाम, खाज-खुजली सहित कई प्रकार के रोग फैलने की आशंका रहती है। यज्ञ में जड़ी-बूटियों की आहुति देने से वातावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर ईश्वर चंद त्यागी, विकास त्यागी, बृज भूषण त्यागी, विकास आर्य, डॉ. मुनेश शर्मा, डॉ. अमित चौधरी, कुलदीप त्यागी सहित सभा के पुरोहित एवं अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर युवा संवाद और भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

देहरादून (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर उत्तरांचल पीजी कॉलेज पैरामेडिकल कॉलेज में युवा संवाद एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति, साहित्य और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके बाद आयोजित युवा संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने हिंदी, साहित्य, संस्कृति और जीवन-मूल्यों से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। डॉ. जगदीश कुमुद, सौरभ पांडे और राजेंद्र खंडूरी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए हिंदी भाषा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने युवाओं से हिंदी को व्यवहार और अध्ययन का हिस्सा बनाने तथा भारतीय साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अंजू श्रीवास्तव ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. शशि देवली, रेखा रौथाण और विजय शामिल रहे। कॉलेज के निदेशक दिनेश वार्ने ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में भाषा और संस्कृति के प्रति जागरूकता मजबूत होने से समाज और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहेगी। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संविधान और लोकतंत्र में समानता के आदर्श पर सेमिनार आयोजित

शामली (शिखर समाचार)। क्रांतिकारी नागरिक दल की ओर से रविवार को हनुमान टीला शामली में ह्यभारतीय संविधान तथा लोकतंत्र में समानता का आदर्श एवं व्यवहार विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें वक्ताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में समानता के महत्व और संविधान के अनुच्छेद 14 में दिए गए समानता के अधिकार पर विचार व्यक्त किए।
मुख्य वक्ता मनमोहन कृष्ण जल्ली ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था समानता के सिद्धांत पर आधारित है। सेमिनार में सरकारी नौकरियों, लोकसभा एवं विधानसभा सीटों तथा स्थानीय निकायों में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर भी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में लागू आरक्षण संबंधी प्रावधानों को लेकर समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों के संदर्भ में कई प्रकार के अंतर्विरोध सामने आते रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि चुनाव में सीटों के आरक्षण के

साथ सरकारी नौकरियों और पदोन्नति में आरक्षण को लेकर समानता तथा योग्यता के अधिकार से जुड़े प्रश्न लगातार उठते रहे हैं। उनके अनुसार इन विषयों से जुड़े विवादों के कारण धरना-प्रदर्शन और न्यायालयों में मुकदमों जैसी परिस्थितियां भी सामने आती हैं।
सेमिनार में संवैधानिक व्यवस्था के विभिन्न विरोधाभासों को दूर करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 14 के संदर्भ में व्यवस्था के पुनरीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने विभिन्न कानूनों और सामाजिक वर्गीकरण से जुड़े प्रावधानों की समीक्षा कर व्यवस्था को अधिक सरल, सुचारू और प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में सत्य प्रकाश अग्रवाल, विजय गर्ग, विनोद अत्री, सुरेंद्र जैन, विनीत गोयल, प्रमोद शर्मा, रजत कश्यप और अशोक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नारी शक्ति की भागीदारी से ही बनेगा सशक्त और विकसित भारत : मदन कौशिक

भाजपा के नारी शक्ति वंदन समारोह में महिलाओं का सम्मान, आत्मनिर्भरता और समान अवसर पर दिया जोर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तिकरण को समर्पित नारी शक्ति वंदन समारोह का आयोजन भूपतवाला स्थित वासुदेव आश्रम में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर महिलाओं ने उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर विजयश्री का आशीर्वाद दिया।
महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के विकास की नई तस्वीर
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदन कौशिक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक माना गया है। आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, राजनीति, खेल, व्यापार, विज्ञान, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी

क्षमता साबित कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में देश की आधी आबादी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सशक्त होंगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी मजबूत होगा।
उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान
नगर निगम हरिद्वार की महापौर किरण जैसल ने महिलाओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि नारी

केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति भी है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया गया।
भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि हरिद्वार में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि आगामी कुंभ भी ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आशीर्वाद से प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत से बनेगी।
कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो नेता दीपांशु विद्यार्थी ने किया।
इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष किशन बजाज, महामंत्री सर्वेश्वर मूर्ति भट्ट, देवेश ममगई, पार्षद आकाश भाटी, सुनीता शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, अनिरुद्ध भाटी, जिला उपाध्यक्ष तरुण नय्यर, वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र अरोड़ा, अन्नू कक्कड़, आदर्श पांडेय, प्रीति गौड़, मुकेश कौशिक, आदित्य गौड़, अजीत कुमार, करण वर्मा, राजकुमार अरोड़ा, सांसद प्रतिनिधि अनिल पुरी, ललित नय्यर, मुनेश सैनी, गौरव वर्मा, श्याम पांडेय, सूरज गुप्ता सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

सरस्वती इंस्टीट्यूट में तीन दिवसीय चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण का समापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षकों की शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन संबंधी क्षमताओं को मजबूत करना तथा चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना रहा। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा शिक्षकों को दक्षता आधारित चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत आधुनिक शिक्षण ढांचे, नवाचारपूर्ण शिक्षण-पद्धतियों और मूल्यांकन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई। तीन दिनों तक संवादात्मक सत्र, समूह चर्चा, व्यावहारिक अभ्यास और अनुभव आधारित सीखने के सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण, मूल्यांकन रणनीति, प्रभावी प्रतिक्रिया तथा कक्षा और चिकित्सकीय शिक्षण के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया।
कार्यक्रम का संचालन डीन एवं प्राचार्य डॉ. बरखा गुप्ता के नेतृत्व में हुआ। आयोजन फाउंडर एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन के संरक्षण में संपन्न हुआ। वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन और निदेशक रघुवार दत्त का विशेष मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. क्राति वर्मा रहीं। संसाधन शिक्षकों के रूप में डॉ. संजीव डिमरी, डॉ. निधि गुप्ता, डॉ. शलीन जैन, डॉ. अमित अग्रवाल और डॉ. सचेत दावर ने अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को चिकित्सा विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक तरीके से शिक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए गए।

ड्यूटी के दौरान सिपाही ने सरकारी राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

हापुड़ (शिखर समाचार)। धौलाना थाने में तैनात एक पुलिस सिपाही ने ड्यूटी के दौरान अपनी सरकारी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। गोली की आवाज सुनकर आसपास मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल सिपाही को तत्काल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। मृतक सिपाही की पहचान 25 वर्षीय आशीष वर्मा के रूप में हुई है। वह मूल रूप से आगरा जनपद का रहने वाला था और

वर्तमान में धौलाना थाने में तैनात था। बताया गया कि घटना के समय वह ड्यूटी पर मौजूद था। इसी दौरान उसने अपनी सरकारी राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। साथी पुलिसकर्मियों ने उसे बचाने का प्रयास करते हुए तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सिपाही द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाने के पीछे मानसिक तनाव को संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

हत्या के मामले में भगवानपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महिला समेत तीन वांछित गिरफ्तार

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हत्या के मामले में भगवानपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला समेत तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर पुहाना चौक के पास से हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार ग्राम नन्हेड़ा निवासी अभिषेक के साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद उपचार के दौरान देहरादून के अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई थी। मामले में अभिषेक की पत्नी ने थाना भगवानपुर में तहरीर देकर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तहरीर के आधार पर थाना भगवानपुर में मुकदमा अपराध संख्या 368/2026 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी भगवानपुर के पर्यवेक्षण में भगवानपुर पुलिस वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने मामले से संबंधित मोहित पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम नन्हेड़ा, थाना भगवानपुर, सतीश पुत्र हरि सिंह निवासी मोहल्ला हलवाईयान, थाना चरथावल, मुजफ्फरनगर तथा एक महिला निवासी ग्राम नन्हेड़ा अनंतपुर, थाना भगवानपुर को पुहाना चौक के पास से पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार तीनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रमेश कुमार सैनी, हेड कांस्टेबल अरविंद तोमर और महिला कांस्टेबल सोनम भारती शामिल रहे।

देहरादून में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान तेज, 550 प्रतिष्ठानों के चालान

देहरादून (शिखर समाचार)। पर्यावरण संरक्षण और शहर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन का प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र के सभी 100 वार्डों में सघन कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण और बिक्री करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने 50 क्षेत्र अधिकारियों की तैनाती की है। अधिकारियों की टीम अब तक शहर के 1776 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर चुकी है। निरीक्षण के दौरान 762 प्रतिष्ठानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग, भंडारण या वितरण पाए जाने पर कार्रवाई की गई। इनमें 550 प्रतिष्ठानों के चालान किए गए और 1.96 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। प्रवर्तन अभियान के दौरान प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है। अब तक 532 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर नष्ट किया जा चुका है। प्रशासन का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी रोक लगाना और आमजन एवं व्यापारियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रशासन की ओर से नागरिकों और व्यापारियों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग, भंडारण और बिक्री नहीं करने तथा इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त देहरादून का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा।

संपादकीय

ब्रिक्स से भारत का संदेश, विकास को हथियार बनाने की भूल न हो

नई दिल्ली में दो दिन तक चले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक के समाप्त होने का अवसर नहीं है, बल्कि यह बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सोच और कूटनीतिक प्राथमिकताओं को समझने का महत्वपूर्ण क्षण भी है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, व्यापारिक टकराव, प्रतिबंधों, शुल्क युद्ध, ऊर्जा असुरक्षा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति शृंखलाओं में लगातार पैदा हो रहे व्यवधानों से जूझ रही है, भारत ने ब्रिक्स के मंच से जिस बात को सबसे प्रमुखता से उठाया है, वह आने वाले वर्षों की वैश्विक राजनीति का बड़ा सवाल बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों का हथियारीकरण साझा प्रगति में बाधा डाल सकता है। यह चेतावनी केवल ब्रिक्स देशों के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए है। आज तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, अंतरिक्ष तकनीक, डिजिटल भुगतान, साइबर क्षमता और उन्नत विनिर्माण जैसी शक्तियां किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमता को प्रभावित करती हैं। इसी प्रकार लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, दुर्लभ मृदा तत्व और अन्य महत्वपूर्ण खनिज भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हो चुके हैं जितना कभी तेल और गैस हुआ करते थे। यदि इन संसाधनों पर नियंत्रण को दूसरे देशों पर दबाव बनाने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया गया तो इसका असर केवल बड़ी शक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका सीधा प्रभाव विकासशील देशों के उद्योग, रोजगार, ऊर्जा सुरक्षा और आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ेगा। कोरोना महामारी ने पहले ही दुनिया को यह सबक दे दिया था कि किसी एक देश में पैदा हुई समस्या सीमाओं के भीतर बंद नहीं रहती। उसके बाद युद्धों ने ऊर्जा और खाद्यान्न बाजारों को प्रभावित किया और व्यापारिक प्रतिबंधों ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियां उजागर कर दीं। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाएं इस संकट को और व्यापक बना रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी वास्तविकता को रेखांकित करते हुए मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाओं की जरूरत पर जोर दिया। यह सोच इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया अब उस दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच की दूरी लगातार कम हो रही है। नई दिल्ली में जारी ब्रिक्स घोषणा में भी ऊर्जा सुरक्षा, विविध और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं, तकनीकी सहयोग तथा सतत विकास पर जोर दिया गया है। संगठन ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संयम और संवाद की जरूरत बताई तथा अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए कूटनीति का रास्ता अपनाने की बात कही। 45 पृष्ठों की नई दिल्ली घोषणा में व्यापार, ऊर्जा, आतंकवाद, जलवायु, तकनीक और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे अनेक मुद्दों पर सदस्य देशों की साझा चिंताएं सामने आई हैं। इस सम्मेलन की एक तस्वीर विशेष रूप से चर्चा में रही, जिसमें भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक ओर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और दूसरी ओर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिखाई दिए। तस्वीर प्रतीकात्मक है, लेकिन इसके पीछे की कूटनीति उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। भारत और चीन के संबंधों में लंबे समय से तनाव रहा है, जबकि रूस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार है। इसके बावजूद भारत ने दोनों देशों के साथ संवाद का रास्ता खुला रखा। शी जिनपिंग की सात वर्ष बाद भारत यात्रा और मोदी की उनके साथ बातचीत ने यह संकेत दिया कि मतभेदों के बावजूद संवाद के दरवाजे बंद करना भारत की नीति नहीं है।

~ मौलिक चिंतन ~

अच्छे लोगों की चुप्पी भी गलत लोगों के हौसले बढ़ाती है, अनीति को जन्म देती है।

© विनय संकोची

एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो।

संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, ह्रदिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।ह्न ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में ह्यबॉलीवुडह्ल के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निमार्ता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

ललित गर्ग

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो।

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है–विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है–ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह

है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है।

उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो।

गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है–ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है।

गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन–यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है।

गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो।

गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो–यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों–अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता–पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- 卐बेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।卐 बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।卐 बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ट होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना-

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

ब्रिक्स ने एकतरफा व्यापारिक फैसलों पर जताई गंभीर चिंता

वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रभावी बहुपक्षवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने अपनी नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक व्यापार में बढ़ते एकतरफा फैसलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। समूह ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के विपरीत टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के इस्तेमाल की निंदा की है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों की भी कड़ी आलोचना की। घोषणा में ब्रिक्स देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले और ब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने वाले एकतरफा उपाय अस्वीकार्य हैं। इसके अलावा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ रहे संघर्षों और परमाणु खतरे को लेकर भी चिंता जताई गई। समूह ने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए सिर्फ संघर्ष शुरू होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संघर्षों को रोकने और उनकी मूल वजहों को दूर करने पर काम करने की आवश्यकता है। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत, आपसी सलाह और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का आह्वान किया। समूह ने एक ऐसी बहुपक्षीय व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया जिसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों के विचारों और रुख का सम्मान किया जाए। आर्थिक सहयोग के तहत, ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार भुगतान को आसान बनाने के लिए चर्चा जारी रखने का भी समर्थन किया गया।

विक्टोरिया मिल्स डिविडेंड- रिकॉर्ड डेट पर नजर, 50 रुपए का फायदा

पात्र होने के लिए 17 सितंबर तक शेयर खरीदना होगा

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विक्टोरिया मिल्स लिमिटेड के शेयर डिविडेंड को लेकर निवेशकों के फोकस में हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने निवेशकों को 50 रुपये प्रति शेयर (फेस वैल्यू का 50 फीसदी) का लाभांश देने की सिफारिश की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट जल्द ही आ रही है। विक्टोरिया मिल्स ने इस भारी-भरकम डिविडेंड के लिए 19 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की है, जबकि 18 सितंबर 2026 को एक्स-डिविडेंड डेट रहेगी। इसका मतलब है कि यदि आप इस डिविडेंड के पात्र बनना चाहते हैं, तो आपको 17 सितंबर 2026 तक कंपनी के शेयर खरीदने होंगे। यह लाभांश कंपनी के 98,560 इक्विटी शेयरों पर दिया जाएगा, जिसे आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में मंजूरी के बाद ही निवेशकों को वितरित किया जाएगा। कंपनी का यह शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 1.78 फीसदी की गिरावट के साथ 8471.00 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी के शेयरों ने लंबे समय में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में यह शेयर 64.48 फीसदी उछला है, जबकि 10 साल की अवधि में इसमें 218.56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 83.79 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली इस कंपनी के शेयरों का लेन-देन बीते एक महीने में 100 से कम रहा है, जो इसकी कम तरलता को दर्शाता है।

आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज

- बोर्ड में नेतृत्व की खींचतान के बीच फैसला, कुछ शेयरधारक पक्ष में तो कुछ विरोध में

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है। कंपनी के भीतर नेतृत्व और रणनीतिक दिशा को लेकर खींचतान जारी है, जिसमें लिस्टिंग का मुद्दा भी एक बड़ा विवाद बन गया है। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स, जिसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं, लिस्टिंग के खिलाफ हैं। ट्रस्ट्स ने इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव भी पारित किया था। वहीं, दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह लिस्टिंग के पक्ष में है, क्योंकि यह उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाने और पूंजी जुटाने का अवसर देगा। RBI के इस आदेश से यह आंतरिक संघर्ष और गहराने की संभावना है।

पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

सरकारी पहचान का दुरुपयोग रोकने के लिए डीपीआईआईटी का सख्त कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम - प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित ऑनलाइन विज्ञापन - में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और ऑनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है। डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दीवानी एवं आपराधिक कार्रवाई तथा प्रशासनिक दंड जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

सेबी लाएगा डेरिवेटिव्स बाजार में बड़े बदलाव

- निपटान मूल्य गणना और ट्रेडिंग समय को लेकर कंसल्टेशन पेपर जारी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बड़े बदलावों का प्रस्ताव दिया है। हाल ही में जारी कंसल्टेशन पेपर में, नियामक ने एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं। पहले विकल्प के तहत, सेबी ने ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस) का तरीका सुझाया है। इसमें सेटलमेंट की कीमत कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी, जिससे अधिक सटीक कीमत मिल सके। दूसरे विकल्प में, नियामक ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया है।

इसके अलावा, सेबी ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि कुछ बाजार प्रतिभागियों ने इसका गलत अर्थ निकाला था। नियामक ने सीटीएस और सीएएस के बीच के ट्रांजिशन समय को पांच मिनट से घटाकर एक मिनट करने का भी प्रस्ताव रखा है। सीएएस के बाद डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग विंडो को भी 10 मिनट से घटाकर पांच मिनट किया जाएगा, जिसे बाजार से मिले फीडबैक के आधार पर पर्याप्त माना गया है।

आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य

- रेडी-टू-कुक, फ्रोजन फूड और सत्तू सहित नई श्रेणियों में भी होगा विस्तार

बेंगलुरु ।

आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड 'आशीर्वाद' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवईं, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है। इसे पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है और जल्द ही इसे देशभर में उपलब्ध कराने की योजना है। कंपनी 10 रुपये का 'वैल्यू पैक' भी लाई है, जिसमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार के लिए अहम रहेगा आगामी सप्ताह

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है। इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा। फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों

का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है। कुल मिलाकर, आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की घोषणाएं, घरेलू महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमतें मिलकर भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को इन प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बारीकी से नजर रखनी होगी और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी।

एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध

पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार में आने पर विचार

नई दिल्ली ।कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डॉलर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है। कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है। कमजोर मानसून, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव के कारण परिवहन में बाधाओं को देखते हुए, एसएमएल ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपना राजस्व लक्ष्य घटाकर 1,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 1,800 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 1,200-1,300 करोड़ रुपये के कारोबार से अधिक रहेगा। कंपनी ने उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की है। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार 80 से अधिक देशों में फैला है, जिससे पिछले वित्त वर्ष में 600-700 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इस वित्त वर्ष में इसके 700-800 करोड़ रुपये और अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात राजस्व में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी फसल संरक्षण उत्पादों (कीटनाशक और फफूंदनाशक) की है।

फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

- अदालती फैसलों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मसौदा जारी

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है। इन न्यायिक व्याख्याओं को शामिल कर, पेटेंट कार्यालय जांच प्रक्रिया में उच्च स्तर की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे भारतीय फार्मा उद्योग में स्वस्थ नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। यह कदम पेटेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 13,000 करोड़ निकाले

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

परिचय वैश्विक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह निकासी जुलाई और अगस्त में हुई भारी खरीदारी के बाद हुई है, जब एफपीआई भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेशक रहे थे। चालू वर्ष (2023) में अब तक भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले पूरे वर्ष (2022) की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी काफी अधिक है। एक निवेश मंच के अे धिकारी के अनुसार, सितंबर में बिकवाली का मुख्य कारण घरेलू नहीं, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर निकलना स्वाभाविक है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 109.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। बाजार के जानकारों ने चेताया कि ऊंची कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती महंगाई से मौद्रिक नीति सख्त हो सकती है, जिससे बॉन्ड प्रतिफल और बढ़ेंगे। यदि अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल पांच प्रतिशत तक पहुंचता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट आ सकती है और विदेशी निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर अधिक रिटर्न देने वाले बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध रूप से 2,305 करोड़ रुपये की निकासी की है।

तेल-तिलहन बाजार- सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; मूंगफली में चमक

पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे।

इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ। औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा।

पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया। किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एशिया के बेस्ट वर्कप्लेस 2026- भारत का दबदबा कायम, टॉप-100 में 34 भारतीय कंपनियां

फ्लिपकार्ट, इंफोसिस समेत कई भारतीय कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दुनियाभर की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कौन सा कार्यस्थल सबसे बेहतर है, इसका पता लगाने के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की नई लिस्ट जारी की है। यह रैंकिंग कर्मचारियों की राय और उनके अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें भारत ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस लिस्ट में शामिल टॉप-100 बड़ी कंपनियों में 34 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है, जो देश की मजबूत कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क की यह प्रतिष्ठित लिस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 89 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। कर्मचारियों से कंपनी में भरोसे, नेतृत्व, काम के माहौल, नए विचारों को बढ़ावा, कंपनी के मूल्यों और उनके कुल अनुभव के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में कंपनियों के आकार या कमाई की बजाय कर्मचारियों के वास्तविक अनुभव को ही मूल्यांकन का आधार बनाया गया है।

बड़ी कंपनियों की श्रेणी में वैश्विक स्तर पर जिन 10 कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, उनमें हिलटन, मैरियोट इंटरनेशनल, सिस्को, एब्वी, डीएचएल, इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप, माइक्रो टेक्नोलॉजी, टीपी, एसेंचर और कैपेला का नाम शामिल है। इस पूरी रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। बड़ी कंपनियों की टॉप-100 लिस्ट में 34 कंपनियां भारत की हैं। इनमें फ्लिपकार्ट ग्रुप, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, रिलायंस रिटेल, बजाज फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, जेनसर टेक्नोलॉजीज, एक्सपीरियन, एडलवीज लाइफ और एचपी इंक जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, छोटी और मध्यम कंपनियों की लिस्ट में एनआईए इंस्टीट्यूशंस, वहदम इंडिया, चैलेट होटल्स, सेरेंटिका रिन्यूबल इंडिया, किम्बल और एलएमएस (लॉर्ड महावीरा सर्विसेज इंडिया) सहित 6 भारतीय कंपनियों ने भी अपनी जगह बनाई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिस्ट में शामिल लगभग 93 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी कंपनी को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बताया।

इंडियन बैंक जीवन बीमा एसेट मैनेजमेंट में उतरेगा

दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय और नए देशों में मौजूदगी की भी योजना

- चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक जीवन बीमा और संपत्ति प्रबंधन (म्यूचुअल फंड) कारोबार में उतरने की अपनी योजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित अनुषंगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के लिए जल्द ही निदेशक मंडल से मंजूरी ली जाएगी। अे धिकारी ने पुष्टि की कि यह योजना पूरी तरह पटरी पर है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, बैंक आवश्यक नियामकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शुरू करेगा।

कुमार ने इस पूरी कवायद में सही साझेदार की पहचान को सबसे महत्वपूर्ण बताया, जिससे तेजी से कारोबार का विस्तार और संपत्ति सृजन हो सके। उन्होंने अनुमान जताया कि इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अनुषंगी कंपनियां या संयुक्त उद्यम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जो संपत्ति सृजन के साथ-साथ ब्रांड को भी मजबूत करते हैं। इंडियन बैंक पहले से ही साधारण बीमा क्षेत्र में यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में 28.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौजूद है।

वैश्विक विस्तार के मोर्चे पर, इंडियन बैंक दुबई में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने वाले कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। बैंक के बोर्ड ने दुबई कार्यालय को मंजूरी दे दी है और अब नियामकीय मंजूरियां ली जा रही हैं। इंडियन बैंक की वर्तमान में सिंगापुर और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय शाखाएं हैं, जबकि बैंक मलेशिया और इंडोनेशिया में भी अपनी मौजूदगी स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी की शाखा से भी अच्छा कारोबार मिल रहा है।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया, अब टिन्ने जिलिस से मुकाबला

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी** – मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला** – पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें** – पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा – अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

भारत जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीता

चीन को 1-0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों-सपोर्ट स्टाफ के लिए कैश प्राइज का ऐलान किया

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन – भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा – रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा – पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी – दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक

हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुई रायबकिना – निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम – रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार

टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए

मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात – टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान बने

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में – हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ब्क में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं। सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी – रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं। BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार

श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर सीएम थलपति विजय का सरप्राइज!

दोस्त अजित कुमार को लगाया गले, तृषा संग वीडियो वायरल

चैन्नई। साउथ सिनेमा के मेगास्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक का थलपति विजय का सफर बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रहा है। राजनीति में पूर्ण रूप से कदम रखने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह दिया और राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे अपनी भूमिका के साथ-साथ अपनी निजी और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम विजय ब्रिटेन के मशहूर सिल्वरस्टोन रेस सर्किट पहुंचे, जहां उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

सिल्वरस्टोन में अजित-विजय का भावुक पल – सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय, एक्टर और पेशेवर रेसर अजित कुमार का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अजित कुमार प्रतिष्ठित मिशेलिन ले मैन्स कप रेस में भाग ले रहे थे। वीडियो में जैसे ही विजय ने रेस ट्रैक पर अजित कुमार को देखा, वे खुशी से दौड़ते हुए आए और अपने पुराने साथी व दोस्त अजित को कसकर गले लगा लिया। दोनों सुपरस्टार्स के इस भावनात्मक और आपसी सम्मान से भरे वीडियो को फैंस इंटरनेट पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

लंदन में विजय के साथ स्पॉट हुईं एक्ट्रेस तृषा कृष्णन – अजित कुमार की रेस के दौरान रेस सर्किट और लंदन के गलियारों से विजय के साथ मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की भी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। रेस से ठीक पहले तृषा कृष्णन की तस्वीरें सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ सामने आईं, जिसे राधिका ने खुद इंटरनेट पर शेयर किया था। इसके बाद सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर भी विजय और तृषा को साथ देखा गया।

विजय और तृषा की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में

थलपति विजय और तृषा कृष्णन की नजदीकियों और अफेयर की खबरें पिछले कई सालों से मीडिया की सुर्खियों में बनी रही हैं, हालांकि दोनों ही कलाकारों ने कभी इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि जब थलपति विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब तृषा कृष्णन भी उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। समारोह के दौरान विजय की पहली राजनीतिक स्पीच सुनते वक्त तृषा का भावुक होना भी काफी चर्चा में रहा था। अब यूके में रेस ट्रैक से सामने आए इन नए वीडियोज ने एक बार फिर दोनों की मौजूदगी की ओर फैंस का ध्यान खींच लिया है।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

- **जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची** – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।
- **युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच** – दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।
- **हेड कोच की तलाश जारी** – बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

- **इंटर मियामी को 2-2 पर रोका**

बार्सिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए – नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन – इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर – इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन – नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

- **कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया**
- **सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाब लीग में जड़ा शतक**

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी – 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला – कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे चो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी शू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 4008

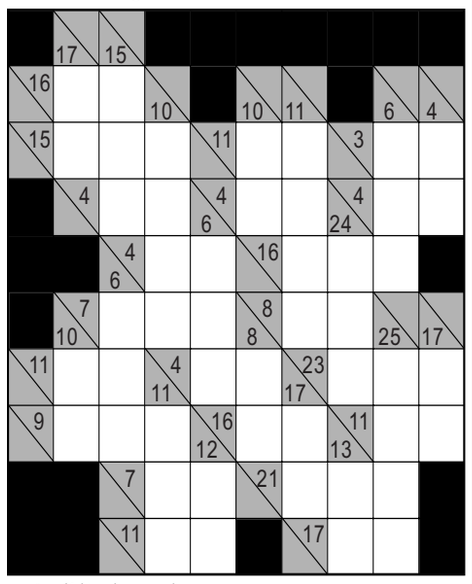

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

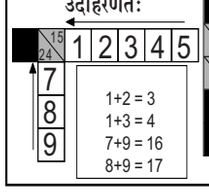

काकुरो - 4007 का हल

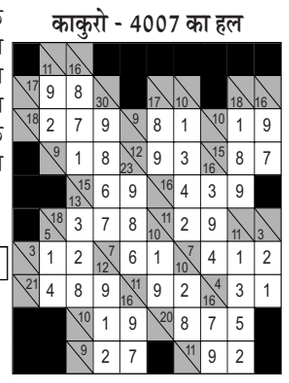

हंसी के फव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा,'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा,'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा,'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 4008

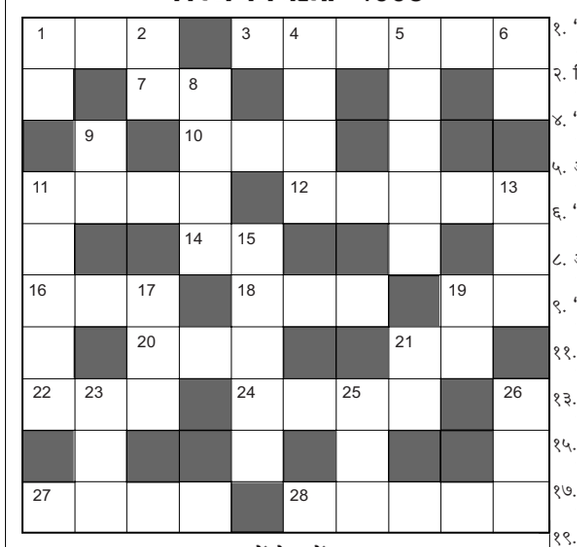

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4007

दे	व			प्रे	म	क	हा	नी		जी
व			तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल			पु	का	र		सिं		त
	क्ष	य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स	
क	बी	ला		ग		प्या		न		
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा	
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा	
ध	मां				ड		स्टे		गि	
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री	

सूडोकु -4008

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4007 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4008

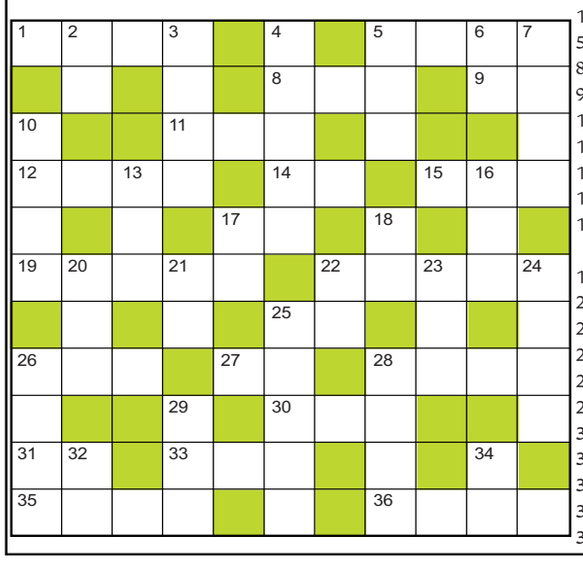

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -4007 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

रेसिपी

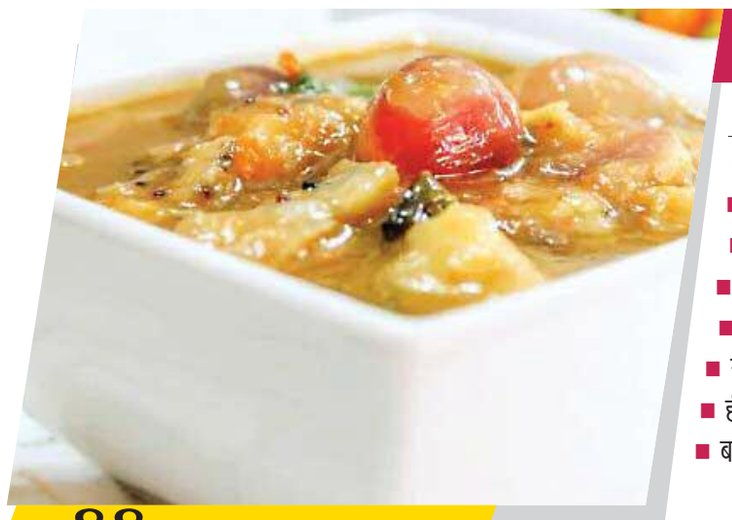

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

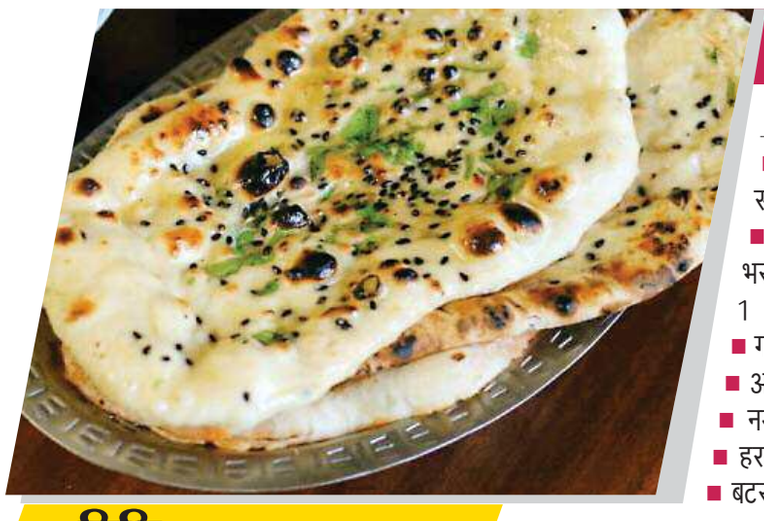

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए
- भरावन के लिए
- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

बेबी और नाम शबाना के बाद खूब एक्शन रोल ऑफर हुए लेकिन...

दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन मां की मजबूत भूमिका में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में ऐक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद ऐक्शन भी करती दिख रही हैं। तापसी बताती हैं कि वह इस जॉनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह ऐक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।

एजेंट-कॉप के कई ऐक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग ऐक्शन कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले ऐक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा ऐक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूं। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूं। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब ऐक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।'

हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक ऐक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हां, ऐसी पिक्चर चल सकती है। उसी तरह से जब एक नहीं चलती है, खासकर बड़े बजट की नहीं चलती तो नुकसान भी हम सबका होता है। इसलिए, बुरा लगता है कि यार, चलनी चाहिए थी। लोग बोलते हैं कि अच्छी फिल्में चलती हैं तो क्या हीरो सेंट्रिक सारी ऐक्शन फिल्में कमाल की ही होती हैं? वे क्या बहुत बढ़िया थीं, तभी चलीं? ऐसा जरूरी नहीं है। हीरो वाली काफी औसत बिग स्केल फिल्में भी चल जाती हैं, मगर दुर्भाग्य से हमें वह छूट नहीं होती। हम औरतों की कहानियां उन्नीस-बीस नहीं हो सकती। उसे इक्कीस होना पड़ेगा, तभी चलेगी।

कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूं, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफी रिलैक्स होती हूं।'

संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में करीना कपूर की एंट्री पक्की

क्या करीना कपूर को संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में देखा जाएगा? क्या भंसाली की कोई फिल्म करीना साइन करने वाली हैं? क्या करीना और भंसाली का दो दशक पुराना मनमुटाव दूर हो गया है? कुछ ऐसे ही सवाल बी-टाउन में पूछे जा रहे हैं। वजह है कि करीना कपूर खान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया।

दो दशक पुराने गिले शिकवे दूर हो गए

फिल्म 'देवदास' के बाद से करीना कपूर खान और भंसाली के बीच मतभेद शुरू हो गए। दोनों को कभी साथ काम करते नहीं देखा गया। करीब दो दशक बाद आज अचानक करीना कपूर खान को भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया तो अटकलें लगने लगीं कि दोनों साथ में किसी फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों ने अपने पुराने मतभेद भुला दिए हैं। भंसाली के ऑफिस के बाहर करीना को देख कयास लग रहे हैं कि वे निर्देशक की फिल्म में नजर आ सकती हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

क्यों हुई करीना और भंसाली में अनबन?

संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है।

जूही मूई के ऑफ एयर होने से टूटा ईशा सिंह का दिल

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह के लिए 'जूही मूई' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि ऐसा सफर था जिसमें उन्होंने अपने किरदार के साथ खुद को भी काफी हद तक जोड़ा। यही वजह है कि जब इस शो के ऑफ एयर होने की खबर सामने आई, तो ईशा के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं रहा। एक्ट्रेस का कहना है कि वह इस कहानी और अपने किरदार को अभी और आगे ले जाना चाहती थीं। उन्हें लगता है कि अभी किरदार में बहुत कुछ ऐसा था, जिसे पर्दे पर दिखाया जा सकता था। शो के खत्म होने से वह दिल से काफी दुखी हैं, लेकिन इस सफर से मिली यादों और दर्शकों के प्यार को हमेशा अपने साथ रखेंगी। आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में ईशा ने शो के बंद होने पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मैं इस समय बेहद दुखी हैं, क्योंकि मैं चाहती थी कि यह सफर अभी जारी रहे। बतौर एक्ट्रेस मेरे पास किरदार को लेकर अभी बहुत कुछ करने और समझने की गुंजाइश थी। मैं इस भूमिका में खुद को और ज्यादा तलाशना चाहती थी और दर्शकों को भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखाना चाहती थी। हर सफर इंसान को कुछ न कुछ सिखाकर जाता है।''

ईशा ने कहा, ''अगर 'जूही मूई' का ये सफर सच में खत्म हो रहा है, तो मैं इसे सिर्फ शो के बंद होने के तौर पर याद नहीं करना चाहती। मेरे लिए इस शो से जुड़ा प्यार, सेट पर बिताया वक्त, काम करने वाले लोग और बनी हुई यादें ज्यादा मायने रखती हैं। मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जो शो को बचाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। अगर मेरे फैंस अभी भी शो को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो मैं उनकी आवाज सुन रही हूं और उनकी इस कोशिश के लिए दिल से आभारी हूं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी शो का हिस्सा रहता है तो वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे उसकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। कलाकार सिर्फ कैमरे के सामने लाइन्स बोलकर अपना काम पूरा नहीं करता। वह किरदार को समझता है, उसकी भावनाओं को महसूस करता है और कई-कई घंटे सेट पर बिताता है। 'जूही मूई' का अनुभव मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। मैंने शो को अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ अपना समय और पूरी एनर्जी दी है। इसलिए अचानक यह सुनना कि शो खत्म होने जा रहा है, मेरे लिए काफी भावुक कर देने वाला है।''

माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है। अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। बातचीत में माही विज ने कहा, ''मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।''

माही ने कहा, ''सच कहूं तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफी बाद में मिला था।'' माही ने कहा, ''मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थीं और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।''

'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थीं। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हां कह दी।''

माही ने कहा, ''हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूं कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।'' उन्होंने कहा, ''बिग बॉस' के घर में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। अभी मैं नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे व्यवहार का कौन सा रूप सामने आएगा। ऐसे में दर्शकों को मेरा एक ऐसा अंदाज भी देखने को मिल सकता है, जिसे उन्होंने पहले नहीं देखा होगा।''

संक्षिप्त समाचार

भूकंप से फिर हिल उठी तिब्बत की धरती, रिक्टर स्केल पर कितनी रही तीव्रता?

ल्हासा , एजेंसी। भारत के पड़ोस में तिब्बत की धरती शुक्रवार को भूकंप से हिल उठी है। बीते कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बार-बार भूकंप की घटना देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं कि रिक्टर स्केल पर कितनी रही इस भूकंप की तीव्रता। भारत समेत दुनियाभर के अनेक देशों में लगातार हो रही भूकंप की घटनाओं ने लोगों के मन में डर बैठा दिया है। भूकंप के कारण बीते कुछ समय में हजारों लोगों की मौत भी हुई है। अब भारत के पड़ोस में स्थित तिब्बत में भी शुक्रवार को सुबह-सुबह भूकंप के कारण धरती हिल उठी है। सामने आई जानकारी के अनुसार, तिब्बत में आए इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने शुक्रवार को तिब्बत में आए भूकंप के बारे में जानकारी दी है। संस्थान के अनुसार, शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 2 मिनट पर तिब्बत में भूकंप आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र धरती से 30 किलोमीटर की गहराई में था। आपको बता दें कि इससे पहले 8 सितंबर को भी तिब्बत में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया है कि शुक्रवार को सुबह 6 बजकर 56 मिनट पर पश्चिम बंगाल में भी भूकंप के झटके लगे हैं। जानकारी के अनुसार, ये भूकंप राज्य के अलीद्वारपुर में आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र धरती से 9 किमी की गहराई में था। इसके अलावा शुक्रवार को अफगानिस्तान में भूकंप के झटके लगे हैं। ये भूकंप 3.5 की तीव्रता का था और इसका केंद्र धरती से 163 किलोमीटर भीतर था। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भूकंप आने का कारण मुख्य तौर पर धरती के भीतर मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना या खिसकना होता है। इसके कारण जमीन के अंदर जमा ऊर्जा अचानक से बाहर की ओर निकलती है। इसके कारण धरती पर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। कई बार भूकंप हल्की तीव्रता के होते हैं। हालांकि, कई बार भूकंप की तीव्रता इतनी ज्यादा होती है कि वह एक बड़े इलाके को पूरी तरह तबाह कर देती है और हजारों लोगों की मौत का कारण बनती है।

क्रोएशिया के स्कूल में छात्र ने दो को मारा चाकू;

जाग्रेब, एजेंसी। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब के एक हाईस्कूल में शुक्रवार को एक छात्र ने दूसरे छात्र और स्कूल के एक कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, हमले में किसी धारदार वस्तु का इस्तेमाल किया गया। घायल छात्र को कई चोटों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी सर्जरी हुई। डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। स्कूल कर्मचारी के चेहरे पर चोट लगी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों छात्रों के बीच एक दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

अल्जीरिया ने यूएई से तोड़े राजनयिक संबंध

अल्जीरिया, एजेंसी। अल्जीरिया ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात से राजनयिक संबंध तोड़ दिए। अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय ने कथित 'उकसाने वाली और शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों' तथा 'अनुचित व्यवहार' का हवाला दिया। संयुक्त अरब अमीरात ने इस फैसले को अस्थायी होने की उम्मीद जताई है।

मोहम्मद बिन सलमान चाहते थे अमेरिका करे हूतियों पर हमला, दो बार लगाया फोन पर नहीं मानें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया में संघर्ष थमने का नाम नही ले रहा है। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी युद्ध के अलावा अब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच भी तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका से हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की अपील की है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मामले को लेकर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार फोन पर बात की। उन्होंने ट्रंप से हूतियों के खिलाफ हमला करने का आग्रह किया। हूतियों ने लाल सागर के एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को रोक रखा है।

अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया की ड्रिल से भड़का उत्तर कोरिया! किम जोंग ने समुद्र में दाग दीं कई मिसाइलें

सियोल, एजेंसी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की 5 दिवसीय सैन्य ड्रिल खत्म होते ही उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। दक्षिण कोरिया और उसके पड़ोसी देशों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई मानता है। यह करीब 3 हफ्ते बाद उत्तर कोरिया का पहला बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च है। इससे पहले भी उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का विरोध करते हुए मिसाइल परीक्षण कर चुका है।

वॉनसान इलाके से दागी गई मिसाइलें : दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, उसने उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसान से कई मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया। मिसाइलों ने करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय की और उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्री इलाके की ओर गईं। दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही मिसाइल लॉन्च को लेकर अमेरिका और जापान के साथ लगातार जानकारी साझा की जा रही है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइलों की फायरिंग रोकने की अपील की है।

सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया मानता है उकसावा : अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने शुक्रवार को अपना 5 दिवसीय 'फ्रीडम एज'

सैन्य अभ्यास तय कार्यक्रम के मुताबिक खत्म किया। अमेरिकी पैसिफिक कमांड के मुताबिक, तीनों देशों की सेनाओं ने हवा, समुद्र और साइबर क्षेत्र में एक साथ अभ्यास किया। इसका मकसद आपसी तालमेल और संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना था। अभ्यास में समुद्री युद्धाभ्यास, हवा में ईंधन भरने की ट्रेनिंग, साइबर समन्वय और मेडिकल ड्रिल जैसी गतिविधियां शामिल थीं। उत्तर कोरिया इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा और संभावित हमले की तैयारी के तौर पर देखता है।

अमेरिका बोला, 'तत्काल कोई खतरा नहीं' : अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने कहा कि उत्तर कोरिया की मिसाइल लॉन्चिंग से अमेरिकी क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। कमांड ने कहा कि अमेरिका अपने देश और क्षेत्र में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण कोरियाई सेना ने पहले ही कहा था कि यह अभ्यास रक्षात्मक है और इसका मकसद उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे की स्थिति में तीनों देशों की संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना है, लेकिन उत्तर कोरिया ये बात नहीं मानता।

उत्तर कोरिया ने पहले ही दी थी धमकी : सोमवार को तीन देशों का सैन्य अभ्यास शुरू होने के कुछ घंटे बाद उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग गी ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया अपनी ताकत के आधार पर 'मजबूत और निर्णायक जवाबी कदम' उठाएगा। इसके बाद अब मिसाइल लॉन्च को उसी चेतावनी के जवाब में उठाए गए कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले उत्तर कोरिया की सेना ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के एक अन्य सैन्य अभ्यास के बाद करीब 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागी थीं।

परमाणु ताकत बढ़ाने पर किम का जोर : उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाल ही में देश के दूसरे नौसैनिक विध्वंसक जहाज को सेवा में शामिल करने के कार्यक्रम में अधिक भरोसेमंद परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाने की जरूरत बताई थी। उसके दोनों विध्वंसक जहाज परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें ले जाने में सक्षम हैं। दूसरे विध्वंसक जहाज को पिछले साल लॉन्च करने की कोशिश के दौरान नुकसान पहुंचा था। मरम्मत के बाद उसे दोबारा लॉन्च किया गया। किम जोंग उन का पूरा फोकस अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने पर है।

ट्रंप के कदम के बाद भी नहीं माने किम : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले वार्षिक 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास को काफी कम करने का आदेश दिया था। ट्रंप ने इसके पीछे किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का हवाला दिया था। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर संभावित हमले की रिहर्सल मानता है। लेकिन किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने ट्रंप के इस फैसले को भी खारिज कर दिया था।

रूस और चीन से बढ़ती नजदीकी भी अहम : विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया अब अपने बढ़ते परमाणु कार्यक्रम और रूस तथा चीन के साथ मजबूत होते संबंधों के कारण पहले से ज्यादा आत्मविश्वास में है। जानकारों के मुताबिक, किम जोंग उन संभावित अमेरिका-उत्तर कोरिया बातचीत में अमेरिका से ज्यादा रियायतें हासिल करना चाहते हैं। किम जोंग उन ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी 'शत्रुतापूर्ण नीति' छोड़ देता है और उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में उसकी स्थिति का सम्मान करता है।

हूती विद्रोहियों ने बाब अल मंदब जल डमरू मध्य में मायून द्वीप पर कब्जा किया

अदन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को बाब अल मंदब जलडमरूमध्य में रणनीतिक रूप से अहम मायून द्वीप पर कब्जा कर लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी को सरकारी अधिकारी ने बताया कि सैनिकों के पीछे हटने के बाद हूती विद्रोहियों ने कार्रवाई की। नाम नहीं बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि हूती विद्रोही शुक्रवार तड़के कई नावों से द्वीप पर पहुंचे और बिना किसी सैन्य प्रतिरोध के उस पर कब्जा कर लिया। हूतियों ने पास के तट पर बख्तरबंद गाड़ियां और अन्य सैन्य उपकरण भी तैनात किए। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर मोचा पर हूती विद्रोहियों के कब्जे के बाद सरकारी सैनिकों के दक्षिण की ओर पीछे हटने पर हूती विद्रोही जलडमरूमध्य के पास धुबाब जिले में भी आगे बढ़ गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मायून (जिसे पेरिम भी कहा जाता है) बाब अल मंदब के भीतर स्थित है और संकरे जलमार्ग को दो शिपिंग चैनलों में विभाजित करता है। यमन के पश्चिमी तट पर हूती विद्रोहियों की हालिया बढ़त के बाद इस पर कब्जा करने से समूह को लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग पर नजर रखने वाली प्रमुख जगहों पर नियंत्रण मिल गया है। हूती विद्रोहियों ने भीषण लड़ाई के बाद मोचा पर कब्जा किया और इसके रणनीतिक बंदरगाह, हवाई अड्डे और प्रमुख सरकारी सुविधाओं पर नियंत्रण कर लिया। पिछले सप्ताह एक बड़ा

हमला शुरू करने के बाद से उन्होंने यमन के पश्चिमी तट पर तेजी से इलाकों पर कब्जा किया है। यमन और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के बीच स्थित बाब अल मंदब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण गलियारा है, जो लाल सागर और स्वेज नहर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यमन में फिर से शुरू हुई लड़ाई से देश के एक बड़े और अनसुलझे क्षेत्रीय टकराव में घिरने का खतरा है, जिसके वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। पिछले 24 घंटों में, यमन में कई मोर्चों पर लड़ाई तेज हो गई है, खासकर रणनीतिक पश्चिमी तट पर। ग्रंडबर्ग ने सुरक्षा परिषद को एक ब्रीफिंग में बताया कि हूती विद्रोहियों ने मोखा सहित कई जगहों पर बड़ा हमला किया। मोखा बंदरगाह शहर बाब अल मंदब से लगभग 75 किमी दूर स्थित है। बाब अल मंदब वह महत्वपूर्ण बिंदु है जो लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है उन्होंने कहा, 'उन्होंने मोखा पर नियंत्रण कर लिया है, जिससे दुनिया के सबसे अहम जलडमरूमध्य में से एक के रास्तों पर उनकी सीधी मौजूदगी हो गई है।

यूक्रेन पर रूस के हमले जारी, शॉपिंग मॉल के पास ड्रोन से किया हमला, पांच की मौत

कीव , एजेंसी। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले कर कम से कम पांच लोगों की जान ले ली और 67 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी मंत्री ने कहा कि शॉपिंग मॉल के पास दिनदहाड़े नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले करके पांच लोगों की जान ले ली। हमलों में 67 लोग घायल हुए हैं। दिनदहाड़े ड्रोन हमलों में शॉपिंग मॉल के पास मौजूद आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक फैलाने वाला हमला बताया गया है।'' सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार उन जगहों पर हमले कर रहा है, जहां उसे पता है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के कामों में व्यस्त होंगे। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाना, डर फैलाना और यूक्रेनी समाज पर दबाव बनाना है। उन्होंने बताया कि पूरे यूक्रेन में हवाई हमलों की चेतावनियां लगातार जारी हैं। रूस लगातार बड़ी संख्या में ड्रोन लॉन्च कर रहा है और कुछ मामलों में तो सीधे उत्पादन केंद्रों से ही उन्हें भेजा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मॉस्को ऐसा इसलिए कर पा रहा है क्योंकि उसके पास अभी भी मिसाइलें, ड्रोन, उनके पुर्जे, पर्याप्त धन और बिना किसी डर के कार्रवाई करने की क्षमता मौजूद है। सिबिहा ने इस रणनीति को दबाव बनाने की नीति बताया। रूस का मानना है कि नागरिक क्षेत्रों पर लगातार हमले करके यूक्रेन के लोगों को थकाया जा सकता है और यूक्रेन को समझौते करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। सिबिहा ने कहा कि यूक्रेन को तुरंत अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम और उन्हें चलाने के लिए जरूरी इंटरसेप्टर मिसाइलों की जरूरत है। साथ ही रूस के हथियार निर्माण उद्योग और उसे चलाने वाली आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) पर और सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

बघाई ने पीट हेगसेथ के बयान पर बोला हमला, कहा- 9/11 की आड़ में ईरान के खिलाफ जंग को सही ठहरा रहा अमेरिका

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने वाशिंगटन के रुख पर कड़ा एतराज जताते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों की 25वीं बरसी का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ एक 'लापरवाह और गैर-कानूनी युद्ध' को सही ठहराने के लिए कर रही है। बघाई ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान की कड़ी निंदा की, जो उन्होंने 9/11 के एक स्मृति समारोह के दौरान दिया था। ईरानी प्रवक्ता ने अमेरिकी विदेश नीति के बुनियादी अंतर्विरोधों पर सवाल उठाते हुए आतंकवाद की परिभाषा तय करने के वाशिंगटन के 'अकेले अधिकार' को खारिज कर दिया।

इस्माइल बघाई ने क्या कहा: बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 9/11

हमले के जिम्मेदार लोग ईरानी नहीं थे। उन्होंने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका खुद दूसरे देशों में सैन्य कार्रवाई करता है, अधिकारियों की हत्या करता है और आम नागरिकों को निशाना बनाता है, फिर भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने का अधिकार अपने पास रखता है। ऐतिहासिक दावों का खंडन करते हुए बघाई ने स्पष्ट किया कि 2001 के हमलों में ईरान की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि 9/11 के हमलावर ईरानी नहीं थे, बल्कि ये वही लोग थे जिन्हें पिछले दशकों में खुद अमेरिका ने हथियार दिए, संगठित किया और तैयार किया था।

बघाई ने कहा कि 9/11 के बाद अमेरिका के तथाकथित 'आतंक के खिलाफ युद्ध' ने इराक और अफगानिस्तान में केवल दशकों का कब्जा, विनाश और निर्दोष नागरिकों की मौतें दीं। उन्होंने हेगसेथ के इस रुख को पूरी तरह बेतुका बताते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के अधिकारियों की हत्या करने और महिलाओं व बच्चों सहित आम नागरिकों को निशाना बनाने वाले आपराधिक युद्ध को आतंकवाद-निरोध के नाम पर नैतिक रूप से सही नहीं ठहराया जा सकता। बघाई ने अमेरिकी नीति का मजाक उड़ाने के लिए फिल्म 'डेस्पिकेबल मी' का लोकप्रिय 'ग्रूज प्लान' मीम भी साझा किया। दूसरी तरफ, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने अपने आक्रामक भाषण में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अमेरिका के आतंकवाद-विरोधी अभियान से जोड़ा था। हेगसेथ ने दावा किया कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी सैनिकों ने आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरानी नेताओं को मार गिराया है, उनकी वायुसेना को तबाह किया है और उनकी नौसेना व तेल टैंकरों को समुद्र में डुबो दिया है। हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखता है, आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है और ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। उन्होंने बाइबिल के वचनों और फ्लाइट 93 के यात्री टॉड बीमर के प्रसिद्ध शब्दों 'लेट्स रोल' का हवाला देते हुए इस लड़ाई को खत्म करने का संकल्प जताया।

अमेरिका: अलास्का के ठंडे समुद्र में पलटी नाव पर दो दिन चिपका रहा 15 साल का किशोर; कैसे बची जान? भाई की मौत

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का एक लड़का करीब दो दिन तक पलटी हुई छोटी नाव के ऊपर चिपका रहा। बाद में मछली पकड़ने वाली एक नाव ने उसे बचा लिया। उसके साथ मछली पकड़ने गए बड़े भाई और एक रिश्तेदार की जान नहीं बच सकी।

किशोर ने बचाव दल के एक सदस्य को बताया कि वह और उसका रिश्तेदार कुछ समय तक पलटी नाव को पकड़े रहे। इसके बाद उसका रिश्तेदार पानी में फिसलकर गिर गया। बाद में किशोर के भाई और रिश्तेदार दोनों के शव बरामद कर लिए गए।

उसे रूस के ज्यादा करीब स्थित सेंट लॉरेंस द्वीप के पास समुद्र से

बचाया गया। यह अलास्का का एक दूरदराज द्वीप है। यह अमेरिका की मुख्य भूमि के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है। मछली पकड़ने वाली नाव द नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर के कप्तान एडम व्हाइट ने बताया कि किशोर अंधेरे में भी नाव से चिपका रहा। समुद्र के पानी का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस था। कप्तान ने उसकी हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत मजबूत बच्चा है। उन्होंने बताया कि किशोर के दांत ठंड से कांप रहे थे। उसने बताया कि उसका भाई अभी भी नाव के नीचे है। उसने यह भी बताया कि बचाव से पिछली रात उसका रिश्तेदार पानी में गिर गया था। अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोमवार सुबह तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने रविवार रात तीनों के लापता होने की सूचना दी थी। तीनों शुक्रवार को सेंट लॉरेंस द्वीप के सावूंगा गांव से निकले थे। उन्हें रविवार सुबह वापस लौटना था। सावूंगा गांव में हैलिबट मछली पकड़ना जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। गांव में करीब 800 लोग रहते हैं। यहां रोजगार के मौके भी कम हैं। किशोर की मौसी कोलन वॉकर ने बताया कि लोग अक्सर पकड़ी गई मछलियां परिवार और पड़ोसियों के साथ बांटते हैं।

नेपाल भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा: जलवायु परिवर्तन से क्षति के मुआवजे का उठता सवाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की धरती पर हाल ही में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है. जब एक हिमालयी देश अपनी उजड़ी हुई बस्तियों, टूटे हुए पुलों और तबाह हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने मुआवजे की मांग रखता है, तो यह केवल एक देश की पुकार नहीं रह जाती, बल्कि यह ग्लोबल साउथ की उस लंबी फेहरिस्त की आवाज बन जाती है जो बिना किसी गलती के ग्लोबल वार्मिंग की सबसे भारी कीमत चुका रहा है. नेपाल जैसे देशों ने कभी बड़े पैमाने पर कार्बन का उत्सर्जन नहीं किया, उनके यहां उद्योग-धंधे वह प्रदूषण नहीं फैलाते जो पश्चिमी या विकसित देशों में दशकों से चले आ रहे हैं, फिर भी प्रकृति के इस कहर का सबसे बड़ा दंश उन्हें ही झेलना पड़ रहा है. नेपाल की यह मुखर मांग अब पूरी दुनिया के सामने यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इस तबाही का जिम्मेदार कौन है और क्या पीड़ित देशों को उनके नुकसान का हक मिलना चाहिए या नहीं. जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई काल्पनिक चेतावनी नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान का एक खौफनाक सच बन चुका है. वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि पृथ्वी का औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगातार ऊपर जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप महासागर गर्म हो रहे हैं, मौसम का चक्र पूरी तरह बिगड़ चुका है और अति-वृष्टि, सूखा, चक्रवात तथा बादलों के फटने की घटनाएं आम हो गई हैं. दुनिया भर में जलवायु आपदाओं के कारण हर साल सैकड़ों अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हो रहा है. और विकासशील देशों में यह नुकसान उनकी कुल राष्ट्रीय आय का एक बड़ा हिस्सा निगल जाता है. विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि यदि तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में करोड़ों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर जलवायु शरणार्थी बनने पर मजबूर होना पड़ेगा. यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसमें उजड़ते हुए खेत, टूटते हुए मकान और उन अनगिनत इंसानों के आंसू हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से अपनी दुनिया बनाई थी और एक झटके में सबकुछ खो दिया. इस पूरे संकट के केंद्र में एक बहुत बड़ा पाखंड छिपा हुआ है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. ऐतिहासिक रूप से जिन विकसित देशों ने अपने कारखानों और आधुनिक जीवनशैली से इस धरती के पर्यावरण को सबसे ज्यादा प्रदूषित किया, वे आज जब विकासशील देशों को मदद देने की बात आती है, तो अपने हाथ पीछे खींच लेते हैं. वे इसे दान या सहायता का नाम देते हैं, जबकि पर्यावरण और अर्थशास्त्र के जानकारों के अनुसार यह किसी भी सूरत में दान नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कर्ज और मुआवजे की अदायगी है. जिन देशों ने सदियों तक पर्यावरण की कीमत पर अपनी तिजोरियां भरी हैं, उनकी नैतिक और विधिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उन देशों को आर्थिक संबल दें जो उनके किए गए प्रदूषण की भारी कीमत चुका रहे हैं. एशिया और अफ्रीका के कई ऐसे देश हैं जो लगातार सूखे, चक्रवातों और बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं, उनकी कृषि व्यवस्था बर्बाद हो रही है।

अमेरिकी मीडिया की नजर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बदलता समीकरण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े। अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है। तृप्ति लाहिड़ी और ऑस्टिन रैमजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई थी, जिसकी वजह नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद जैसे मुद्दे थे। नई दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने जर्नल को बताया, 'भारत स्थिति को फिर से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। अखबार ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में कोई भी सुधार सीमा विवाद के अनसुलझे रहने, पाकिस्तान के साथ चीन के करीबी रिश्तों और हिंद महासागर में सुरक्षा प्रतिस्पर्धा की वजह से सीमित है। सुन ने जर्नल को बताया, 'चीनी पक्ष भी देख रहा है कि भारत सही समय का इंतजार कर रहा है और बेहतर विकल्पों पर काम कर रहा है, जो भविष्य में सामने आ सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे चीन-भारत संबंधों में मौजूदा सुधार की सतही प्रकृति और बढ़ जाती है। वाशिंगटन पोस्ट ने एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों एजाज हुसैन और शेख सालिक की रिपोर्टें प्रकाशित कीं, जिनमें इस शिखर सम्मेलन को भारत के लिए एक मुश्किल संतुलन बनाने वाली कवायद बताया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि बैठक में शामिल होने वाले नेताओं में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और शी शामिल थे। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन और पेजेश्कियान के साथ अलग-अलग बातचीत की। वाशिंगटन 'पोस्ट' में छपी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़े हुए ग्रुप के 11 सदस्य ग्लोबल ऑर्डर में अधिक प्रभाव चाहते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े हित अलग-अलग हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनियर एनालिस्ट प्रवीण डोंथी ने एपी को बताया, 'ग्लोबल साउथ कोई एक जैसा ग्रुप नहीं है। इसलिए, इस ग्रुप के लिए इन झगड़ों को संभालना और उनमें मध्यस्थता करना मुश्किल होगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध इन मतभेदों को सामने ला सकते हैं। भारत के रूस और ईरान के साथ पुराने संबंध हैं, जबकि वह अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी अपनी साझेदारी बढ़ा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)